राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

ये 5 चॉकलेट फेस मास्क देते हैं ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 01 फरवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 42 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य : राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 2047 तक देश को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखते हुए कहा कि तब तक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है जो अतीत के गौरव से जुड़ा हो और जिसमें आध ुनिकता का हर स्वर्णिम अध्याय हो। राष्ट्रपति ने यह बात आज बजट सत्र के पहले दिन ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधि ात करते हुए अपने पारंपरिक अभिभाषण में कही। उन्होंने कहा, ''हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर हो और जो अपने मानवीय दायित्वों को पूरा करने में समर्थ हो। ''उन्होंने कहा, ''हमें 2047 तक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है जो अतीत के गौरव से जुड़ा हो और जिसमें आधुनिकता का हर स्वर्णिम अध

याय हो।'' उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के करीब नौ वर्षों के शासनकाल में भारत के लोगों ने कई सकारात्मक बदलाव पहली बार देखे हैं। उन्होंने कहा कि अमृत काल की 25 साल की अवधि आजादी का स्वर्णिम काल और विकसित भारत के निर्माण का समय है। मुर्मू ने कहा कि आज सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि हर भारतीय का आत्मविश्वास शीर्ष पर है एवं भारत के प्रति विश्व का नजरिया बदला है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान संसद के केंद्रीय कक्ष में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल के विभिन्न मंत्री, संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी, राज्यसभा में नेता सदन पीयूष गोयल और विभिन्न पार्टियों के नेता एवं सांसद मौजूद थे। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी एवं पार्टी के कुछ अन्य नेता श्रीनगर में खराब मौसम के कारण उड़ानों में विलंब के चलते राष्ट्रपति अभिभाषण शुरू होने के समय केंद्रीय कक्ष में नहीं पहुंच पाये।

भारत के पास सुनहरा अवसर, चीन और अमेरिका को पछाड़ कर बन सकता है ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब

नई दिल्ली। भारत के पास

अमेरिका और चीन जैसे देशों को पीछे छोड़ने का सुनहरा अवसर है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022–23 में कहा गया है कि विदेशी कंपनियां भारत की विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला रणनीतियों को अपना रही हैं। इससे भारत के पास इस दशक में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का अच्छा मौका है। सर्वे के मुताबिक, भारत के पास आपूर्ति श्रृंखला में होने वाले रिस्क की साफ स्थिति का ब्योरा है, जिससे विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ाने में मदद मिलेगी। विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार की योजना: सर्वे के मुताबिक, आने वाले साल में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पादके 25 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। यह वर्तमान समय में यह देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 15 से 16 प्रतिशत है। इसके लिए सरकार श्मेक इन इंडिया 2.0श को ला रही है। इसमें 27 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में 15 विनिर्माण और 12 सर्विस क्षेत्र शामिल हैं। साथ ही फर्नीचर, कृषि उत्पाद, कपड़ा, रोबोटिक्स, टेलीविजन और एल्यूमीनियम जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना

विनिर्माण क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 14 क्षेत्रों के लिए प्रोडक्ट लिंक्ड इंसेंटिव शुरू की है। गौरतलब है कि सरकार द्वारा देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ाने के लिए कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है। इसके तहत स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी योजना और फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप जैसी योजनाएं पहले से काम कर रही हैं।

दो लाख करोड़ रुपये हो रहा खर्च

PLI योजना को बढ़ावा देने के लिए सरकार दो लाख करोड़ रुपये के खर्च कर रही है। सितंबर 2022 तक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग पीएलआई योजना से 4,784 करोड़ रुपये का निवेश मिल चुका है। इसमें उत्पादन के लिए 2,03,952 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है, जबकि 80,769 करोड़ रुपये का निर्यात किया जाएगा। बता दें कि पीएलआई से जुड़ी 13 योजनाओं के तहत अब तक 650 से ज्यादा आवेदनों को मंजूरी दी चुकी है।

आसाराम को उम्रकैद की सजा

रेप केस में अदालत ने सुनाया फैसला

अहमदाबाद। गुजरात में गांध ीनगर की एक अदालत ने स्वयंभू बाबा आसाराम बापू को एक महिला शिष्या के साथ बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। सत्र न्यायालय के न्यायाध ीश डीके सोनी ने वर्ष 2013 में दर्ज इस रेप केस में सोमवार को आसाराम को दोषी पाया था, जबकि आसाराम की पत्नी समेत छह अन्य लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। अभियोजन पक्ष ने गुजरात कोर्ट को बताया कि आसाराम 'आदतन अपराधी' है और उसे आजीवन

कारावास की सजा की मांग की गई थी। सत्र न्यायाधीश डी के सोनी मंगलवार (31 जनवरी) को सजा सुनाएंगे। अदालत ने सबूतों के अभाव में आसाराम की पत्नी समेत छह अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। अहमदाबाद के चांदखेड़ा थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, आसाराम ने 2001 से 2006 के बीच महिला से कई बार बलात्कार किया, जब वह शहर के बाहरी इलाके में स्थित उसके आश्रम में रहती थी। लोक अभियोजक आर सी कोडेकर ने सोमवार को कहा, '' अदालत ने अभियोजन के मामले को स्वीकार कर लिया और आसाराम को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (2) (सी), 377 (अप्राकृतिक यौनाचार) और अवैध ा रूप से बंधक बनाने से जुड़ी ध ारा में दोषी ठहराया।

क्या था पूरा मामला?

2013 में सूरत की दो बहनों ने नारायण साईं और उनके पिता आसाराम के खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों की छोटी बहन ने शिकायत में कहा है कि नारायण साईं ने 2002 से 2005 के बीच उसके साथ बार–बार रेप किया। लड़की के मुताबिक, जब वह सूरत में आसाराम के आश्रम में रह रही थी, तब उसके साथ रेप हुआ था। तो बड़ी बहन ने शिकायत में आसाराम पर रेप का आरोप लगाया है। उसके मुताबिक 1997 से 2006 के बीच वह अहमदाबाद में आसाराम के आश्रम में रहा। इस दौरान आसाराम ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। दोनों बहनों ने पिता–पुत्र के खिलाफ अलग–अलग तहरीर दी है।

जी–20 events की मेजबानी के लिए तैयार है असम

गुवाहाटी। असम जी–20 शिखर सम्मेलन से पहले के कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए तैयार है और इस सप्ताह शुरू होने वाली एक बैठक के लिए प्रतिनिधि पूर्वोत्तर राज्य में पहुंच रहे हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य भारत की एक साल की जी–20 की अध्यक्षता के तौर पर पहली सतत वित्तीय कार्यकारी समूह (एसएफडब्ल्यूजी) की बैठक तथा 'यूथ– 20 इंसेप्शन' कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। राज्य मार्च और अप्रैल में भी एक–एक कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, एसएफडब्ल्यूजी की पहली बैठक

दो–तीन फरवरी को गुवाहाटी के एक होटल में होगी और इसमें जी–20 के सदस्य देशों, अतिथि देशों, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 94 प्रतिनिधि तथा केंद्र सरकार के अधिकारी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक पारंपरिक संगीत प्रस्तुति की वीडियो ट्वीटर पर साझा की। उन्होंने ट्वीट किया, ''भारत में स्वागत है – अद्भुत विविधता, खूबसूरती और गौरवशाली इतिहास की भूमि। हमारी स्थानीय संस्कृति के उत्कृ ष्ट प्रदर्शन के साथ गुवाहाटी हवाई अड्डे पर जी–20 प्रतिनिधि ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आप असम की शानदार यात्रा का आनंद उठाएंगे।

मध्य प्रदेश: कान्हा बाघ अभयारण्य में बाघिन ने पांच शावकों को जन्म दिया

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले के कान्हा बाघ अभयारण्य

(केटीआर) में टी–27 नाम की एक बाघिन ने पांच शावकों को जन्म दिया है। यह जानकारी एक वन अधिकारी ने मंगलवार को दी। कान्हा बाघ अभयारण्य के क्षेत्र संचालक एस के सिंह ने बताया कि इस बाघिन को सोमवार को अपने पांचों शावकों के साथ घूमते देखा गया। उन्होंने कहा, ''बाघिन टी–27 सैलानियों के बीच डीजे के नाम से जानी जाती है। बाघिन को उसके शावकों के साथ मुक्की जोन में देखा गया है।'' सिंह ने कहा कि केटीआर में आने वाले पर्यटक बाघिन और उसके शावकों को देखकर काफी उत्साहित हैं।

भारत सरकार का फंड नहीं है पीएम केयर

दिल्ली एचसी को पीएमओ का जवाब- इसे पब्लिक अथॉरिटी का लेबल नहीं दिया जा सकता

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि पीएम केयर फंड भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत ष्राज्यष नहीं है और सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत ष्सार्वजनिक प्राधिकरणष के रूप में गठित नहीं है। पीएमओ के अवर सचिव द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि पीएम केयर्स फंड को एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में स्थापित किया गया है और

यह भारत के संविधान या संसद या किसी राज्य विधानमंडल द्वारा या उसके तहत नहीं बनाया गया है। यह किसी भी सरकार से वित्त पोषित नहीं है और ट्रस्टी के तौर पर निजी व्यक्ति ही इसका संचालन करते हैं। हलफनामे में कहा गया है कि ट्रस्ट के कामकाज में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार या किसी भी राज्य सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। पीएमओ ने आगे कहा है कि पीएम केयर्स फंड केवल व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा स्वैच्छिक दान स्वीकार करता है और यह कि सरकार के बजटीय स्रोतों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की बैलेंस शीट से आने वाले योगदान को स्वीकार नहीं किया जाता है। पीएम केयर्स फंडध्ट्रस्ट में किए गए योगदान को आयकर अधि ानियम, 1961 के तहत छूट दी गई है, लेकिन यह अपने आप में इस निष्कर्ष को उचित नहीं ठहराएगा कि यह एक ष्सार्वजनिक प्राधिकरणष है। इसने आगे कहा है कि फंड को सार्वजनिक प्राधिकरण नहीं कहा जा सकता है। जिस कारण से इसे बनाया गया था वह ष्विशुद्ध रूप से धर्मार्थष है और यह कि न तो धन का उपयोग किसी सरकारी परियोजना के लिए किया जाता है और न ही ट्रस्ट किसी भी सरकारी नीतियों द्वारा शासित होता है।

एयर इंडिया की खराब व्यवस्थाओं पर भड़कीं बीजेपी नेता खुशबू सुंदर

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से एयर इंडिया को विवादों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच एयर इंडिया को लेकर एक और विवाद सामने आया है। बीजेपी नेता खुशबू सुंदर ने ट्वीट कर एयर इंडिया की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। खुशबू सुंदर ने कहा कि एयर इंडिया की खराब व्यवस्थाओं के चलते एक चोट लगे यात्री को करीब 30 मिनट तक व्हीलचेयर के लिए इंतजार करना पड़ा। खुशबू सुंदर ने ट्वीट कर लिखा कि प्रिय एयर इंडिया आपके पास चोट लगे एक यात्री को ले जाने के लिए बुनियादी व्हीलचेयर भी नहीं है। चेन्नई एयरपोर्ट पर करीब 30 मिनट तक यात्री को ले जाने के लिए इंतजार करना पड़ा। इससे पहले एयरलाइन के कर्मचारियों ने किसी अन्य एयरलाइन से व्हीलचेयर की व्यवस्था की। मुझे यकीन है कि आप बेहतर कर सकते हैं।

बेनामी कानून पर खुली अदालत में हो बहस, केंद्र की याचिका पर सुनवाई के लिए एससी तैयार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बेनामी कानून पर फैसले की समीक्षा के लिए केंद्र की याचिका पर विचार करने के लिए सहमत है। केंद्र सरकार ने बेनामी संपत्ति पर कानून के कई प्रावधानों को रद करने के फैसले की खुली अदालत में समीक्षा की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट (नचतमउम ब्वनतज) का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 23 अगस्त को बेनामी कानून के कुछ प्रावधानों को रद कर दिया था। खुली अदालत में सुनवाई की जाए: केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ से आग्रह किया कि इस मुद्दे के महत्व को ध्यान में रखते हुए समीक्षा याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ये एक असामान्य अनुरोध है। हम समीक्षा की खुली अदालत में सुनवाई चाहते हैं। इस फैसले के कारण बहुत सारे आदेश पारित किए जा रहे हैं जबकि बेनामी अधिनियम के कुछ प्रावधानों को

चुनौती भी नहीं दी गई थी। सीजेआई ने कहा, श्हम इस पर विचार करेंगे। सजा और जुर्माने का प्रावधान: रद किए गए प्रावध ानों में से एक में श्बेनामीश लेनदेन में शामिल लोगों के लिए अधि ाकतम तीन साल की जेल या जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। शीर्ष अदालत ने प्रावधान को ष्स्पष्ट रूप से मनमानाष होने के आधार पर ष्असंवैधानिकष करार दिया था। केंद्र सरकार ने वर्ष 2016 में एक कानून बनाकर बेनामी संपत्ति को अपराध घोषित किया था। साथ ही धारा 3(2) में प्रावध ान किया था कि इसमें सजा हो सकती है। बेनामी संपत्ति क्या है: अपनी संपत्ति को छिपाने के लिए जब कोई शख्स दूसरे के नाम से संपत्ति खरीदता है तो इसे बेनामी संपत्ति कहते हैं। कहने को तो नाम दूसरे का होता है लेकिन असल में संपत्ति पर उसी का अधिकार होता जिसने खरीदी होती है। आमतौर पर ऐसी संपत्ति काले धन या आमदनी के ज्ञात स्रोतों के बाहर से खरीदी जाती है। अगर खरीदने वाले ने अपने धन से पत्नी, बेटे, अन्य परिवार के लोगों या करीबी के नाम से संपत्ति खरीदी हो तो भी ये बेनामी संपत्ति कही जाएगी। बेनामी संपत्ति खरीदने वाला व्यक्ति कानूनी मिल्कियत अपने नाम नहीं रखता, लेकिन सम्पत्ति पर किसी ना किसी तरह कब्जा जरूर रखता है। समझें कानून: भारत में बढ़ते काले धन की समस्या से निजात पाने के लिए मोदी सरकार ने नवंबर 2016 में नोटबंदी लागू की। इसी दिशा में सरकार ने एक कदम और आगे बढ़ाकर बेनामी सपत्ति कानून, 1988 में परिवर्तन किया। वर्ष 2016 में इसमें संशोधन हुआ। संशोधित कानून एक नवंबर, 2016 से लागू हो गया। संशोधित बिल में ही बेनामी संपत्तियों को जब्त करने और उन्हें सील करने का अधिकार है। ये कानून केंद्र सरकार को बेनामी संपत्ति जब्त करने का अधिकार देता है।

संस्कार व संस्कृति देश की पूंजीः राजू दास

कृषि विवि में हुआ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुंभ जिला सम्मेलन

मिल्कीपुर–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के किसान भवन मैदान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का विद्यार्थी कुंभ जिला सम्मेलन आयोजित हुआ। इस दौरान कुमारंगज के कई स्कूल के छात्र–छात्राओं ने विवि परिसर से कुमारगंज बाजार तक शोभायात्रा निकाली। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने सम्मेलन को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुए कहा कि एबीवीपी एक राजनीतिक मंच नहीं बल्कि एक सामाजिक समूह है जो हमेशा समाज की सेवा में लगा रहता है। उन्होंने कहा कि यह संगठन हमेशा विद्यार्थियों के सर्वांगित विकास के लिए काम करता है।

सम्मेलन में पधारे हनुमान गढ़ी के पूजारी राजू दास ने कहा कि विद्यार्थी परिषद संगठन विश्व बंधुत्व के भाव से कार्य करता है और यही हमारी सनातन परंपरा है। उन्होंने कहा की एबीवीपी एक ऐसा संगठन है जो पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में मजबूती के साथ समाज को सही दिशा देने का काम कर रहा है। कर्म के अनुसार ही वर्ण व्यवस्था थी लेकिन कुछ लोग जातियों में बांटकर राजनीति कर रहे हैं टुकड़े टुकड़े गैंग समाज के कालनेमि हैं यह लोग समाज में निरंतर विश्व खोलने का काम करते हैं, उनको एकता अखंडता पसंद नहीं है, भारत में नालंदा एवं तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय हुआ करते थे, जिसमें दस हजार प्रोफेसर हुआ करते थे, आप समझ सकते हैं कि इस हिसाब से वहां छात्रों की संख्या कितनी रही होगी, उन्होंने कहा कि जिसने समाज और संस्कृति को त्यागा वह खत्म हो जाएगा इसका एक जीता जागता उदाहरण अफगानिस्तान है, संस्कार और संस्कृति देश की पूंजी है,रामचरितमानस पर अभद्र टिप्पणी किए जाने के मामले में पुजारी राजूदास ने मंच से बिना नाम लिए स्वामी प्रसाद मौर्य पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां अहंकार होगा वहां संस्कृति का पतन होगा। एबीवीपी के प्रांत उपाध्यक्ष सुभाष महर्षि ने कहा कि विद्यार्थी परिषद भारत की रक्षा और स्वाभिमान को आगे ले जाने का काम कर रहा है। महर्षि ने कहा की संस्कृति को नष्ट करने वाला विकास नहीं चाहिए। विकास के साथ–साथ संस्कृति का संरक्षण करना बहुत जरूरी है।

रामचरण स्मारक इंटर कॉलेज, चंद्रबली सिंह पीजी कॉलेज व राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने विवि परिसर से कुमारगंज तक शोभायात्रा निकाली। डीएवी के छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कुलपति ने छात्राओं को ध्येय यात्रा पुस्तक व स्मृति चिह्न भेंट किया। एबीवीपी की ईकाई मंत्री अंकिता यादव व अमित मिश्रा ने प्रस्ताव पाठ पढ़ा। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डा. सोनू जायसवाल व स्वागत प्रस्ताव रमेश मिश्रा ने किया, इस मौके पर कुमारगंज बाजार मालिक विजय कुमार उपाध्याय अग्गू पंडित, डा डी नियोगी, डॉ सीताराम मिश्रा, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, महेश ओझा, राघवेंद्र सिंह विक्की, चंद्रबली सिंह,अजय विक्रम सिंह, सहित भारी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर किया जागरूक

-अवध विश्वविद्यालय द्वारा माधवपुर में लगाया गया स्वास्थ्य परीक्षण कैंप

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा माधवपुर गांव में स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प लगाया गया। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ तथा एक्टिविटी क्लब के संयुक्त संयोजन में महिला विस्तार गतिविधि ा के अन्तर्गत महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र की चिकित्सक डा0 दीपशिखा चौधरी ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान पाया कि 28 में 18 महिलाओं को हाइपरटेंशन की बीमारी से ग्रसित पाई गई। वहीं 30 में से 21 महिलाओं में हाईब्लड प्रेसर पाया गया। दूसरी ओर कुछ बालिकाओं को माहवारी की समस्या पाई गई। कैंप में डॉ. दीपशिखा ने बताया कि नसों में रक्त के प्रवाह अधिक हो जाने से हाइपरटेंशन बीमारी उत्पन्न हो जाती है। शरीर में रक्त प्रवाह 120ध्80 से अधिक नहीं होना चाहिए। ब्लड प्रेसर अधिक होने से नसों पर ब्लड का दबाव पड़ता है। इससे हृदय और दिमाग को नुकसान पहुँचने के साथ हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि इससे बचने के लिए जीवन शैली में थोड़ा सा बदलाव कर पर्याप्त नीद लेने से तनाव मुक्त होकर इस समस्या से बच सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 चौधरी ने सभी को स्वास्थ एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि हाईब्लड प्रेसर के कारण शरीर में कई प्रकार की बीमारियां घेर लेती है। इसे अनदेखा करने पर बीमारी गंभीर हो जाती है। लोगों को इस पर शीघ्र घ्यान देने की जरूरत है। महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो0 तुहिना वर्मा ने ग्रामवासियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को अपनी सेहत का ख्याल रखना चाहिए।

हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर परमहंस को हिंदू महासभा ने दिया समर्थन

अयोध्या। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाए जाने के मुद्दे पर हिंदू महासभा ने जगत गुरु परमहंस आचार्य को अपना समर्थन प्रदान किया है हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबा पंडित नंदकिशोर मिश्र के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा अयोध्या स्थित तपस्वी छावनी पहुंचकर जगतगुरु परमहंस आचार्य को समर्थन देते हुए कहा गया कि वर्तमान समय में भारत को हिंदू राष्ट्र बनाए जाने की परम आवश्यकता है इसके लिए हिंदू महासभा उस प्रत्येक व्यक्ति का समर्थन करती है जो हिंदू राष्ट्र के प्रति कृत संकल्पित है, हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबा पंडित नंदकिशोर मिश्र द्वारा यह कहा गया कि परमहंस जी अपने संघर्ष चिंतन और वाणी से राष्ट्र और विश्व को उद्वेलित कर रहे हैं जिससे भारत को हिंदू राष्ट्र बनाया जा सके 1915 से ही हिंदू राष्ट्र के लिए हिंदू महासभा ना सिर्फ कृत संकल्पित है बल्कि पूरे मनोयोग से इसके लिए आंदोलित रथ भी है बाबा पंडित नंदकिशोर मिश्र ने यह भी कहा कि हिंदू राष्ट्र बनाए जाने की आवश्यकता है क्योंकि भारत सहित संपूर्ण विश्व के हिंदुओं की अस्मिता और अस्तित्व तथा भविष्य के लिए यह आवश्यक है उन्होंने कहा कि हिंदू महासभा का चिंतन वासुदेव कुटुंबकम रहा है इसीलिए हिंदू महासभा और हिंदू राष्ट्र ऐसा बरगद है जिसके अंतर्गत सभी पल सकते हैं किंतु यदि इस्लाम और ईसाइयत को मानने वालों का छत्र बड़ा हुआ तो हिंदुओं का जीना मुश्किल हो जाएगा उन्होंने यह भी कहा कि हमारा एकमात्र सिद्धांत जिओ और जीने दो रहा है परमहंस जी हिंदू महासभा के चिंतन और सिद्धांत तथा संकल्प को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं इसलिए उनका अभिनंदन करने हेतु स्वयं उपस्थित हुआ हूं , हिंदू महासभा के समर्थन से अभिभूत दिखे तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि मेरे द्वारा अनेकों बार भारत को हिंदू राष्ट्र बनाए जाने के लिए संघर्ष किया जाता रहा है भारत सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा निरंतर आश्वासन दिया गया किंतु इस विषय पर भी कभी गंभीर नहीं दिखाई दिए इसलिए मेरे द्वारा पुनः 7 नवंबर 2023 से अन्य जल का परित्याग करते हुए आमरण अनशन प्रारंभ किया जा रहा है मुझे पूरे देश के हिंदू संगठनों का समर्थन प्राप्त हो रहा है हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि भारत को प्रणाम हिंदू राष्ट्र बनाए जाने का उद्घोष सर्वप्रथम हिंदू महासभा द्वारा ही किया गया था इस्लाम के आने से पूर्व भारत एक हिंदू राष्ट्र ही था श्री पांडेय ने आगे कहा कि हिंदू महासभा के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे वीर विनायक दामोदर सावरकर यह मानते थे कि भारत में जन्म लेने के बावजूद मुसलमान और ईसाई राष्ट्र जाति और संस्कृति जोकि हिंदुत्व की तीन मूल मंत्र है को कद आप यहां से नहीं कर सकते हैं इसलिए हिंदू ही हिंदू राष्ट्र है भारत हिंदुओं की पुण्य भूमि है मुसलमान और ईसाईयो के लिए भारत पुण्य भूमि नहीं हो सकती, श्री पांडे ने यह भी कहा कि हिंदू राष्ट्र के लिए वीर सावरकर की संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए इस देश का प्रत्येक हिंदू अपने प्राणों का बलिदान करने के लिए तत्पर है प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से हिंदू महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री यशवंत सिंह ,हिंदू महासभा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष महंत रामलोचन शरण शास्त्री राजन बाबा, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि शंकर पांडेय, बिहार संगठन मंत्री राधेश्याम पांडेय, कार्यालय मंत्री अनिल मौर्य, जिला अध्यक्ष पंडित विधि पूजन पांडेय, जिला मंत्री अजय शुक्ला, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एस०पी० आवास पर सिपाही ने खुद को मारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। एसपी आवास में तैनात सिपाही ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। 23 साल का सिपाही सोमवार रात ड्यूटी पर था। ैस्त् रायफल से ही उसने कनपटी पर गोली मारी। ताज्जुब की बात यह है कि गोली मारने की आवाज किसी ने नहीं सुनी। देर रात जब ड्यूटी के लिए दूसरा सिपाही पहुंचा तो वहां उसने शव पड़ा देखा। इसके बाद सुसाइड की जानकारी हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सुसाइड की वजह क्या है। यह अभी स्पष्ट नहीं है। मृतक सिपाही का नाम अभिषेक यादव था। वह 2020 बैच का अभिषेक लखनऊ के गोमती नगर का रहने वाला था। सोमवार रात 12 से 3 बजे उसकी ड्यूटी ैच् आवास पर लगाई गई थी। रात में वह ड्यूटी पर पहुंचा। रात 2 बजे के करीब 3 बजे जब दूसरा सिपाही ड्यूटी पर पहुंचा तब वहां देखा कि अभिषेक यादव का शव पड़ा था। सिर में गोली लगी हुई थी। ैच् केशव कुमार ने बताया सर्विस ैस्त् उसके दोनों पैरों की बीच में फंसी हुई थी। बाईं कनपटी से गोली लगकर दायीं कनपटी से निकलकर छत पर फंसी हुई थी। पास में ैस्त् की बुलेट का खोखा भी पड़ा मिला है। सुसाइड के कारणों की जांच की जा रही है। अभिषेक यादव के बड़े भाई विनय यादव ने कहा–कभी तनाव में नहीं रहता था अभिषेक यादव के बड़े भाई विनय यादव ने बताया कि हमें लखनऊ पुलिस ने सूचना दी थी कि आपके भाई को गोली लगी है। हालत गंभीर है। लेकिन हम लोग जब यहां पहुंचे तो पता चला कि उसकी मौत हो गई है। उसे कोई ऐसी बीमारी भी नहीं थी कि वह गोली मारकर सुसाइड कर ले। लेकिन, उसके मन में क्या था। इस बारे में कभी कुछ उसने शेयर नहीं किया। वह कभी तनाव में भी नहीं रहता था। समझ नहीं आ रहा कि आखिर उसने ऐसा क्यों किया। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी शादी नहीं हुई थी। बड़ा भाई विनय यादव ैच् में कार्यरत है। बड़े भाई ने बताया कि घर वाले शादी की धीरे–धीरे तैयारियां हो रही थी। लेकिन, ऐसा हो जाएगा यह किसी ने नहीं सोचा था। भाई ने बताया कि कल शाम को फोन करके बात की थी। तब एकदम ठीक था। दादी ने भी ने बात की थी सिपाही ने ैस्त् से गोली मारी। लेकिन, आवाज किसी को नहीं सुनाई दी। ऐसे में आखिर ऐसा कैसे हुआ पुलिस इसकी जांच कर रही है। इसके अलावा, रात को ड्यूटी पर और कौन–कौन तैनात था इसकी भी जांच की जा रही है। फिलहाल, पुलिस ने फॉरेंसिक से जांच कराई है। ैस्त् से फ्रिंगर प्रिंट भी लिए गए हैं। उनको जांच के लिए भेजा गया है।

कार्यालय जिला उद्यान विभाग सिद्धार्थनगर

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी सिद्धार्थनगर के कार्यालय का सेवा अयोग्य डेड स्टाक सामग्रियां है व जैसी दशा में है वैसी ही सार्वजनिक नीलामी दिनांकः 07/02/2023 को पूर्वान्ह 1.30 बजे कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी सिद्धार्थनगर पर की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति / फर्म नीलाम की जाने वाली सामग्री की किसी भी कार्य अवधि में सम्बन्धित कार्यालय पर देख सकते है तथा नीलामी के अपनी बोली लगा सकते हैं। सम्बन्धित स्टोर प्रभारी से सम्पर्क कर और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते है। नीलामी की मुख्य शर्तेः–1. नीलामी हेतु धरोहर धनराशि धरोहर के रूप में जिला उद्यान अधिकारी सिद्धार्थनगर के पक्ष में बोली के लिए धनराशि जमा करना होगा तथा इस पर को ब्याज देय नही होगा उच्चतम नीलामी वाली कीमत मे यह धनराशि समायोजित की जायेगी।2. बोली की समस्त धनराशि ठेकेदार / व्यक्ति को बोली छूटने के तुरन्त बाद जमा करना होगा। 3. वस्तु की नीलामी जहाँ है व जैसी दशा में है वैसी ही की जायेगी।4. किसी भी कानूनी विवाद हेतु समाधान जनपद सिद्धार्थनगर की न्यायालय की सीमा के अन्तर्गत होगी।5. किसी भी अथवा सभी बोली को बिना कारण बताये निरस्त/स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार नीलामी समिति को होगा। 6. किसी भी विवाद की दशा में जिला उद्यान अधिकारी सिद्धार्थनगर का निर्णय अन्तिम व मान्य होगा । 7. उच्चतम नीलामी बोली का 10 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क जमा करना होगा। 8. नीलामी के उच्चतम बोली के बाद सम्पूर्ण धनराशि जमा न करने पर धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 9. सरकारी बोली शुरु करने की घोषणा नीलामी के समय ही की जायेगी। 10. अन्य शर्ते या नियम नीलामी के पूर्व बता दी जायेगी।

जिला उद्यान अधिकारी
सिद्धार्थनगर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
सरयू ड्रेनेज खण्ड–2, सिद्धार्थनगर
अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–03/अधि0अभि0/2022–23

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राइस–बिड/फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 03/02/2023 से दिनांक 08/02/2023 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक 08/02/2023 को अपरान्ह 12:15 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता सरयू ड्रेनेज खण्ड–2, सिद्धार्थनगर में अधिशासी अभियन्ता सरयू ड्रेनेज खण्ड–2, सिद्धार्थनगर एवं अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–1, बासी के द्वारा ऑन लाइन खोली जायेंगी। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी।

क0 सं0	संगठन का नाम	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	मात्रा	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य+ GST+स्टेशनरी चार्ज =कुल योग	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित सिरसिया ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 7.000 तक सफाई का कार्य।	14.50	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.29	1 माह	225.00+131.00+500.00 =856.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
2.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित मुजहना ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 2.200 तक सफाई का कार्य।	5.75	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.12	1 माह	225.00+131.00+500.00 =856.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
3.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित रामगढ़ ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 1.100 तक सफाई का कार्य।	3.99	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.08	1 माह	150.00+27.00+0.00 =177.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
4.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित बरगदवा ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 3.200 तक सफाई का कार्य।	6.06	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.13	1 माह	225.00+131.00+500.00 =856.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
5.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित मूसा ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 6.400 तक सफाई का कार्य।	8.17	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.17	1 माह	225.00+131.00+500.00 =856.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
6.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित कंचनिया ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 6.300 तक सफाई का कार्य।	4.02	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.09	1 माह	150.00+27.00+0.00 =177.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
7.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित गुमानडीह ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 2.300 तक सफाई का कार्य।	3.83	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.08	1 माह	150.00+27.00+0.00 =177.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
8.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित सहियापुर ड्रेन के किमी0 0.000 से किमी0 5.000 तक सफाई का कार्य।	9.60	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.20	1 माह	225.00+131.00+500.00 =856.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"
9.	सरयू परियोजना द्वितीय, गोण्डा	जनपद सिद्धार्थनगर में स्थित घोरही ड्रेन के किमी0 0.250 से किमी0 0.400 तक दायें तरफ पारक्यूपाइन लगाने का कार्य।	16.23	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.33	1 माह	300.00+144.00+500.00 =944.00	"सी श्रेणी अथवा उच्च"

www.upgov.nic.in
upid-r.o.185064
date : 30-01-2023

अधिशासी अभियन्ता
सरयू ड्रेनेज खण्ड–2, सिद्धार्थनगर

समाचार पत्र विक्रेता संघ की कार्यकारिणी गठित

जौनपुर। समाचार पत्र विक्रेता संघ की एक बैठक जिला अध्यक्ष राम सहारे मौर्य की अध्यक्षता में समाचार पत्र विक्रेता संघ भवन धरनीधर पुर मीरपुर में आयोजित की गयी । बैठक में जिलाध्यक्ष ने अपने नई कार्यकारिणी का गठन किया । जिसमें महाप्रबंधक रामप्यारे प्रजापति, प्रबंधक अखिलेश चंद्र मौर्य , उपाध्यक्ष पवन साहू ,महामंत्री अवधेश मौर्य , कोषाध्यक्ष मंगरु राम मौर्य , मंत्री नरेंद्र मौर्य, संगठन मंत्री सुनील मौर्य एवं बबलू मौर्य ,मीडिया सचिव पंकज मौर्य, प्रचार मंत्री मोहम्मद रफीक एवं रमेशचंद्र मौर्य, सलाहकार सचिव कुलदीप साहू एवं पवन मौर्य तथा विजय शर्मा ,पदाधिकारी बनाए गए । एवं कार्यकारिणी सदस्यों में राजेश कुमार मौर्य, भरत लाल मौर्य, तरुण कुमार मौर्य, सर्वेश मौर्य, नीरज मौर्य, लालचंद्र मौर्य, सूरज मौर्य, पुल्लु गुप्ता ,संदीप निषाद ,राज शर्मा ,संतोष पाल ,परमानंद यादव,रवि शर्मा, सतीश मौर्य (शीत) , विरेन्द्र मौर्य (गप्पू), चुने गए।

अन्नू त्यागी को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड

जौनपुर। शोध के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर अन्नू त्यागी को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से मनोविज्ञान विभाग का रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया । अन्नू त्यागी की अनुपस्थिति में यह अवार्ड उनके पिता ने कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के हाथों प्राप्त किया । चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय मेरठ, शोध के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले छात्र – छात्राओं को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान करता है । असिस्टेंट प्रोफेसर अन्नू त्यागी की इस उपलब्धि पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति निर्मला एस मौर्या सहित साथी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया ।

डीएम ने किया ग्राम पंचायत चूलेभारी में जल जीवन मिशन की पाइप पेयजल योजना का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना में तहसील बलरामपुर सदर के ग्राम पंचायत चूलेभरी में लागत रुपए 238 लाख से निर्माणाधीन पाइप पेयजल का औचक निरीक्षण डीएम डॉ महेंद्र कुमार द्वारा किया गया। अधिशाषी

■ डीएम ने घरों में नल कनेक्शन का लिया जायजा,नल कनेक्शन घर के बाहर देने पर जताई नाराजगी,कार्यदाई संस्था को नोटिस दिए जाने का दिया निर्देश

अभियंता जल निगम ग्रामीण ने बताया की 160 घरों में कनेक्शन दिया जा चुका है,पंप हाउस एवं ओवर हेड टैंक का कार्य चल रहा है। डीएम ने सभी घरों में कनेक्शन दिए जाने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने घरों में नल कनेक्शन का निरीक्षण किया एवं ग्रामीणों के वार्ता की। नल कनेक्शन घर के अंदर न दिए जाने पर नाराजगी जताई, उन्होंने कहा की प्रावधान के अनुसार घर के अंदर तक कनेक्शन दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। ग्राम प्रधान ने बताया की कार्यदाई संस्था द्वारा कनेक्शन के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत गुणवत्तापूर्ण नहीं की गई है। उन्होंने कार्यदाई संस्था एलएनटी को नोटिस दिए जाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता ग्रामीण संजीत कुमार, नायाब तहसीलदार बलरामपुर सदर, प्रोजेक्ट मैनेजर एलएनटी उपस्थित रहे।

जाने मेरी जानेमन,बचपन का प्यार मेरा भूल नहीं जाना रे.....झुमे दर्शक

राजेश शर्मा/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को सिद्धार्थनगर महोत्सव के चौथे दिन पंजाब की गायिका आस्था गिल के गानों पर पूरा पंडाल फिरता नजर आया, आस्था गिल के जाने मेरी जानेमन बचपन का प्यार मेरा भूल नहीं जाना रे,जैसा मेरा प्यार है,जान तुझे किया है गाने पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया तो वही पर बस आज की रात है ,कल से वही सियापे हैं,जी भर के नाच लो,न घर वाले,न मापे हैं,सब पे अपना राज है,डरने की क्या बात है,यह तोह बस शुरुआत है,यह तोह बस शुरुआत है,अरे अभी तोह पार्टी,शुरू हुई है, पर लोगों ने जमकर ठुमके भी लगाए आस्था गिल का छाप सबसे ज्यादा युवक–युवतियों पर रहा जहां लोगों ने खूब डांस किया तो वही युवा बुजुर्ग भी पीछे नहीं नजर आए आपको बता दें कि आस्था गिल का जन्म 1 जनवरी 1993 को पंजाब में हुआ इनकी पिता का नाम जसपाल सिंह है और माता का नाम सीमा गिल है इनकी एक बहन भी है इसके अलावा इनका एक भाई भी है यह अभी फिलहाल मुंबई महाराष्ट्र में रह रही है। इन्हें बचपन से गाना गाने का काफी शौक था जिसके लिए यह स्कूल में गाने की प्रतियोगिता में भाग लिया करती थी इसी टैलेंट को देखते हुए इनके पिता ने भी काफी इन्हें सपोर्ट किया इन्होंने अपने कॉलेज की पढ़ाई विवेकानंद इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज दिल्ली से की। इन्होंने अपने करियर की शुरुआत धूप चिक सॉन्ग से की जो की निहसप मूवी का सॉन्ग है जो साल 2014 में रिलीज हुआ था इसके बाद इन्होंने और भी कई सारी सोंग्स की है अब इनकी फैन फॉलोइंग काफी बढ़ चुकी थी । आस्था गिल के हिट गानों में जैसे सैटरडे सैटरडेए धुप चिकए अभी तो पार्टी शुरू हुई है जैसे बेहतरीन गाने हैं। इसके अलावा आस्था गिल के गाने की सूची में डीजे वाले बाबू मेरा गाना बजादो भी है जिसे उन्होंने बादशाह के साथ गाया था। इस गाने को लोगों ने बहुत पसंद किया था।

नृत्यांजलिफाउन्डेशन द्वारा कृष्णानृत्य-नाटिका की प्रस्तुति

रागिनी श्रीवास्तव (निदेशक नृत्यांजलि ग्रुप) के संयोजन में नृत्य नाटिका का निर्देशन एवं परिकल्पना भरतश्री नवनीत रस्तोगी के द्वारा किया गया है।इस नृत्य नाटिका के माध्यम से कृष्ण के जन्म से लेकर ब्रह्मांड दर्सन, पूतना वध, माखन चोरी , कालिया मर्दन , गोवर्धन पर्वत , कंस वध के साथ ही साथ कृष्ण के युवा अवस्था मैं की जाने वाली लीलाओं एवम राधा कृष्ण के प्रेम प्रसंग का सजीव चित्रण को प्रस्तुत किया जाएगा।नटखट कृष्ण के किरदार मैं पर्णिका श्रीवस्तवा, युवा कृष्ण के किरदार मैं नवनीत रस्तोगी जी , राधा के किरदार मैं कोमल रस्तोगी , कालिया नाग का किरदार अनंत शर्मा , कंश का किरदार विशाल नाथ , वासुदेव और नंद बाबा का किरदार आशुतोष पांडे , यशोदा मैया का किरदार सुनीता, देवकी के किरदार मैं, पूतना का किरदार शालिनी जी ने बहुत अच्छे से निभाया गोपियों के रूप मै निलंजना, श्रुति, प्रीति, अर्चना त्रिपाठी, अंशिका मिश्र, वैष्णवी , आयुषी और गवालो के किरदार को अनुज एवम अक्षत रस्तोगी ने सफलतापूर्वक निभाया।

काला नमक चावल की महक पूरे विश्व में,चौथा दिन रहा आंगनबाड़ी कार्यकत्री का नवाचार सम्मेलन के नाम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर महोत्सव 2023 के कार्यक्रम में आज चौथे दिन आशा सम्मेलन, आंगनबाड़ी कार्यकत्री का नवाचार सम्मेलन का सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल,विधायक धनघटा गणेश चौहान, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, तथा मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति मेंसिद्धार्थनगर महोत्सव पाण्डाल में सम्पन्न हुआ। आशा सम्मेलन, आंगनबाड़ी कार्यकत्री का नवाचार सम्मेलन के अवसर पर सर्वप्रथम जनप्रतिनिधियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर एवं गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जनप्रतिनिधिगण को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 वी0के0अग्रवाल द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। आशा सम्मेलन, आंगनबाड़ी कार्यकत्री का नवाचार सम्मेलन के अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने उपस्थित सभी लोगो का स्वागत करते हुए कहा कि इस समय सदन चल रहा है। लेकिन अपनी आशा, आंगनबाड़ी बहनों के लिए मै सिद्धार्थनगर में हूँ। आशा आंगनबाड़ी बहनों की आवाज संसद में उठाने का काम आपका बेटा हमेशा करता है। केन्द्र सरकारप्रदेश सरकार आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री के मानदेय में वृद्धि की गयी है। सांसद ने सिद्धार्थनगर महोत्सव के आयोजन हेतु जिला प्रशासन, मुख्य विकास अधिकारी तथा आयोजन समिति के समस्त सदस्यों को बधाई दी। विधायक धनघटा गणेश चौहान ने आशा सम्मेलन, आंगनबाड़ी कार्यकत्री का नवाचार सम्मेलन के अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पूरे विश्व को शान्ति अंहिसा और करूण का सन्देश देने वाले भगवान गौतम बुद्ध की भूमि है। आज काला नमक चावल की महक पूरे विश्व में जा रही है। उ0प्र0 सरकार द्वारा एक जनपद एक उत्पाद योजनान्तर्गत काला नमक चावल का सम्मिलित किया गया है। जनप्रतिनिधि गणो द्वारा इसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जा रहा है। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से कहा कि मै आप लोगो के साथ हमेशा खड़ा हूँ। देश में कोरोना महामारी के दौरान हमारी आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने लोगो की सेवा की है। विधायक धनघटा ने कहा कि महोत्सव के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिलता है। विधायक ने सिद्धार्थनगर महोत्सव के आयोजन हेतु जिला प्रशासन एवं आयोजन समिति की सराहना करते हुए सफल आयोजन हेतु बधाई दी। आशा सम्मेलन, आंगनबाड़ी कार्यकत्री का नवाचार सम्मेलन के अवसर पर विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कोविड महामारी के दौरान मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगो के स्वास्थ्य का ख्याल रखा तथा हमारी आशा, आंगनबाड़ी बहनों ने दिन–रात लोगो की सेवा की। मुख्यमंत्री के प्रयास से इंसफ्लाइटिस से मुक्ति मिला है तथा मृत्यु दर में कमी आयी है। पं0 दीनदयाल का सपना था कि समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को लाभ मिले। प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री द्वारा सभी को योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। सभी निःशुल्क राशन, आवास, रसोई गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने आशा सम्मेलन, आंगनबाड़ी कार्यकत्री का नवाचार सम्मेलन के अवसर पर सभी लोगो का स्वागत करते हुए कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा सभ्ज्ञी पात्र लोगो को योजनाओ का लाभ मिल रहा है। जनप्रतिनिधिगणोंद्वारा अच्छा कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्री को डेमो चेक दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा समस्त जनप्रतिनिधिगण का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार प्रकट किया गया। इस कार्यक्रम में उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 वी0के0अगवाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षकध्भारी प्राचार्य डा0 ए0के0झा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

गणित की स्थिति और खराब है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि सरकारी स्कूलों के छात्रों का प्रदर्शन प्राइवेट स्कूलों के छात्रों से बेहतर है, जबकि आम तौर पर प्राइवेट स्कूलों में अपेक्षाकृत समृद्ध घरों के बच्चे पढने जाते हैं। बहरहाल, यह सूरत प्रश्न यह उठाती है कि आखिर ऐसी शिक्षा के साथ भारत अपने विकास के लिए...

ये कैसा डेमोग्राफिक डिविडेंड?

यह आम निष्कर्ष रहा कि आधे से ज्यादा बच्चे अपनी क्लास से दो क्लास नीचे के टेक्स्ट ठीक से नहीं पढ़ पाते। गणित की स्थिति और खराब है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि सरकारी स्कूलों के छात्रों का प्रदर्शन प्राइवेट स्कूलों के छात्रों से अपेक्षाकृत बेहतर है। जिस समय भारत के दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने की चर्चा गर्म है, ये सवाल अहम सवाल भी चर्चित है कि आखिर आबादी की मौजूदा स्थिति से बीच देश जनसंख्या संबंधी लाभ उठा पाएगा? अब चार साल बाद आई शिक्षा की स्थिति पर वार्षिक सर्वे रिपोर्ट (असर) ने इस सवाल को और भी प्रासंगिक बना दिया है। असर से हर साल भारत की स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता की तस्वीर सामने आती रही है। चूंकि दो से अधिक साल तक स्कूल कोरोना महामारी के कारण बंद रहे, इसलिए ये रिपोर्ट तैयार करने वाली संस्था भी अपना पूरा आकलन पेश नहीं कर पाई। 2022 में जाकर उसने व्यापक रूप से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता का अध्ययन किया। ताजा रिपोर्ट से यह तो उत्साहवर्धक सूचना सामने आई है कि महामारी के बाद स्कूलों में छात्रों की मौजूदगी सामान्य हो चुकी है। दरअसल, स्कूलों में दाखिला का प्रतिशत महामारी के पहले से भी ऊंचा हो गया है। लेकिन इस रिपोर्ट से महामारी के दौरान शिक्षा ग्रहण करने में हुए नुकसान का विवरण भी सामने आया है। मसलन, यह आम निष्कर्ष रहा कि आधे से ज्यादा बच्चे अपनी क्लास से दो क्लास नीचे के टेक्स्ट ठीक से नहीं पढ़ पाते। गणित की स्थिति और खराब है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि सरकारी स्कूलों के छात्रों का प्रदर्शन प्राइवेट स्कूलों के छात्रों से बेहतर है, जबकि आम तौर पर प्राइवेट स्कूलों में अपेक्षाकृत समृद्ध घरों के बच्चे पढने जाते हैं। बहरहाल, यह सूरत प्रश्न यह उठाती है कि आखिर ऐसी शिक्षा के साथ भारत अपने विकास के लिए अपनी युवा आबादी का लाभ कैसे उठा पाएगा? गौरतलब है कि यह वो वक्त है, जब दुनिया चौथी पीढ़ी के औद्योगिकीकरण में प्रवेश कर रही है। यानी जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और रोबोटिक्स आर्थिक वृद्धि का प्रमुख स्रोत बनने जा रहे हैं। ऐसे वक्त पर कमजोर लर्निंग किस काम की साबित होगी? यह अत्यंत गंभीर सवाल है। अगर भारत को सचमुच डेमोग्राफिक डिविडेंड हासिल करना है, तो उसे इस प्रश्न से उलझना होगा। वरना, सिर्फ बड़ी युवा आबादी से आर्थिक महाशक्ति बनने की आकांक्षा महज से भ्रम साबित होगी।

सियासत नहीं बल्कि लोक आस्था का काव्य है श्रीरामचरित मानस

कामिही नारि पिआरि जिमि लोभिहि प्रिय जिमि दामध तिमि रघुनाथ निरंतर प्रिय लागहु मोहि राम ध्ध का उद्घोष करने वाले गोस्वामी तुलसीदास जी ने लोक मंगल के लिए श्रीरामचरित मानस की रचना की। गोस्वामी तुलसीदास को भगवान श्री राम का मर्यादित आचरण भाता है। इसके साथ ही वे सामाजिक मर्यादा से भलीभांति परिचित कवि हैं। इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास ने भगवान श्री राम का लोक ग्राह्य रूप आम जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। प्रभु श्री राम का लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के प्रति प्रेम एक सामाजिक मिसाल है। मध्यकालीन भारत जब दिल्ली सल्तनत और मुगलिया सल्तनत की सत्ता से गुजर रहा था, तब गोस्वामी जी श्री राम चंद्र जी की ऐतिहासिकता को छंद बद्ध करते हुए श्री रामचरित मानस का प्रणयन करते हैं। श्री राम चरित मानस का गान , मध्यकालीन उत्तर भारतीय कृषक जनता के लिए संजीवनी बूटी साबित होता है। श्रीराम चरित मानस के द्वारा मध्यकालीन हिंदू एकीकरण करने में गोस्वामी जी बहुत हद तक सफल भी होते हैं। सनातनी संरक्षण की एकता का मार्ग प्रशस्त करते हुए गोस्वामी तुलसीदास जी की लोक में व्याप्ति हो जाती है। गौरतलब है कि मध्यकालीन हिंदू जनता जातियों में विभाजित नहीं हैं। कर्म आधारित समाज में सभी का निज धर्म था। जन्मना सत्ता नहीं थी। निर्गुण संतों की चुनौती भी गोस्वामी तुलसीदास जी को मिलती रहती थी। बहुत संभव है कि गोस्वामी तुलसीदास जी के श्री रामचरित मानस की अपार लोकप्रियता की उनके विरोधी निर्गुण कवियों ने कुछ संशोधित भी किया हो, फिलहाल यह शोध का विषय है। किंतु इतना तो तय है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्री रामचरित मानस को प्रबंध काव्य के रूप में लिखा है। उसका मूल्यांकन भी प्रबंधात्मक कथा के रूप में ही होना चाहिए न कि स्वतंत्र पंक्तियों के रूप में मनमाने पन से उसकी व्याख्या हो। आज भी प्रत्येक मोहल्ले में समाज की सभी जातियों के लोगों के घर श्री रामचरित मानस का पाठ कर्ण प्रिय लगता है। इसके साथ ही वह सामाजिक मर्यादा कर्म को भी बी सिखलाता है। श्री रामचरित मानस की श्री लोक व्याप्ति को देखते हुए प्रख्यात विद्वान डॉ राजमणि चतुर्वेदी इसे उत्तर प्रदेश का राजकीय धर्म ग्रंथ घोषित करने की मांग करते रहे हैं।

दैनिक बुद्ध का सन्देश/ लेखक विनय कांत मिश्र

कुश्ती संघ पर यौनाचार के गंभीर आरोप

जांच हो जाने दो, नेताजी फिर कुर्सी पर विराजमान हो सकते हैं। भारतीय घटनाक्रम पर वैश्विक कुश्ती महासंघ की भी निगाहें टिकी हैं। महान धाविका पीटी उषा की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय ओलंपिक संघ को भी तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। ध्यान यह भी रखना चाहिए कि भारत ने अभी तक ओलंपिक में कुल 35 पदक जीते हैं, जिनमें से 7 पदक पहलवानों के हुनर ने हासिल किए हैं। राष्ट्रमंडल खेलों ...

अजय दीक्षित

विनेश फोगाट अपने भार–वर्ग में विश्व चौम्पियन पहलवान हैं । उन्होंने एशियाई खेलों और राष्ट्रमण्डल मुकाबलों में भी स्वर्ण पदक जीते हैं । साक्षी मलिक रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कुश्तीबाज हैं । बजरंग पूनिया विश्व के सर्वश्रेष्ठ पहलवान रहे हैं और टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदकवीर हैं । विश्व चौम्पियनशिप में कई पदक जीत चुके हैं । रवि दहिया भी टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता पहलवान हैं । दीपक पूनिया और अंशु मलिक सरीखे युवा भी पदकवीर हैं । यह सूची और भी लंबी हो सकती है । इन खिलाडियों ने वैश्विक खेल मंचों पर भारत का शतिरंगाश लहराया है और राष्ट्रगान श्जन, गण, मनश की गूंज पर देश को गौरवान्वित किया है । प्रधानमंत्री मोदी ने इन पदकवीर पहलवानों को देश की आन, बान, शान माना और उनका अभिनंदन भी किया। एक मुलाकात के दौरान विनेश फोगाट ने प्रधानमंत्री को कुछ श्बीफश किया था । शायद उन्हें याद होगा । ये खिलाड़ी खेल रत्न, अर्जुन अवार्ड और अन्य सम्मानों से अलंकृत किए गए हैं । वे देश के आम आदमी नहीं हैं । ऐसे कई पहलवानों को राजधानी दिल्ली के जंतर–मंतर पर धरना देना पड़ा, तो यह शर्मनाक कलंक की बात है। कुछ बेटी पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं छह बार के निर्वाचित भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह समेत कोच, रहे हैं । ऐसे आरोप हवा हवाई नहीं होते। नहीं की है। लगातार खामोश रहे हैं, क्योंकि कीचड़ भाजपा सांसद पर गिरा है। अलबत्ता खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से संवाद होता रहा है, लेकिन निष्कर्ष कितनी दूर है? बहरहाल यदि पहलवान एक दिन भी अभ्यास, प्रशिक्षण आदि को छोड़ दे, तो वह औसतन 9 दिन पिछड़ जाता है। जाहिर है कि इतने में ही पदक के फिसलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। धरने पर बैठे कुश्तीबाजों ने तब तक नहीं खेलने की चुनौती दी है, जब तक श्यौन अपराधश के आरोपित अध्यक्ष को बर्खास्त नहीं किया जाता और कुश्ती महासंघ को भंग नहीं किया जाता। इसमें तुरंत फैसला करने में दिक्कत क्या है? जांच हो जाने दो, नेताजी फिर कुर्सी पर विराजमान हो सकते हैं। भारतीय घटनाक्रम पर वैश्विक कुश्ती महासंघ की भी निगाहें टिकी हैं। महान धाविका पीटी उषा की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय ओलंपिक संघ को भी तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। ध्यान यह भी रखना चाहिए कि भारत ने अभी तक ओलंपिक में कुल 35 पदक जीते हैं, जिनमें से 7 पदक पहलवानों के हुनर ने हासिल किए हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में हमने 564 पदक जीते हैं, उनमें से 115 पदक कुश्ती के हिस्से के हैं। अब यह मामला हरियाणा बनाम उप्र का नहीं है । यह शोषण की पराकाष्ठा है कि विनेश को कहना पड़ा कि हिन्दुस्तान कोई बेटी ही पैदा न हो ।

स्टाफ पर यौन शोषण के संगीन, गंभीर आरोप लगाये हैं । ऐसे आरोप सिर्फ बेटी पहलवानों ने ही नहीं, बल्कि नाविक, हैंडबॉल, साइकिल और अन्य खेलों के खिलाडियों ने भी लगाए थे । उनमें से कुछ ने आत्महत्या तक कर ली । ज्यादातर ने खेल ही छोड़ दिया। ये सभी अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी थे, जिन्हें श्यौन समझौतोंश के लिए विवश किया जाता रहा। भारत कोई खेल सम्पन्न देश नहीं है। ओलंपिक में लंबे समय तक हम खाली हाथ ही लौटते रहे। अब बैडमिंटन, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी और कुश्ती में कुछ होनहार बेटियों ने देश के लिए पदक और सम्मान अर्जित किये हैं, तो बंद कमरों के यौन उत्पीडन सार्वजनिक हो यदि पदकवीर पहलवान आज सडक पर ध रना– प्रदर्शन को विवश हुए हैं, तो कमोबेश सरकार के स्तर पर तुरंत हस्तक्षेप किया जाना चाहिए था। महज आश्वासन देने के ये राजनेता आदी रहे हैं, लेकिन सरेआम एक खेल और पदकवीर खिलाडियों को बर्बाद होते नहीं देखा जा सकता। प्रधानमंत्री इन खिलाडियों की एक–एक गतिविधि, जीत–हार, उपलब्धि पर फोन करके उनकी पीठ थपथपाते रहे हैं। अपने आवास पर आमंत्रित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करते रहे हैं। आज जब हम यह आलेख लिख रहे हैं, तो धरने का तीसरा दिन है, लेकिन प्रध ाानमंत्री ने एक फोन करके खिलाडियों की पीड़ा और उनके दर्द को समझने की कोशिश

इसके लिए, यह अनिवार्य है कि कराधान और सार्वजनिक व्यय का उपयोग उनके पक्ष में वितरण को झुकाने, किसानों की आय में सुधार करने, रोजगार पैदा करने वाली मांग के विस्तार को गति देने और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और शैक्षिक परिणामों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए किया जाये। संसद के आगामी सत्र में, वामपंथ ऐसे केंद्रीय बजट के लिए लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है जो ऐसी ...

2023-24 के बजट प्रस्तावों का उद्देश्य हो जनता के पक्ष में संसाधनों का वितरण

प्रकाश कारत

आर्थिक विकास ने इन विरोधाभासों को भी प्रतिबिंबित किया है– जिसका प्रकटीकरण है कृषि संकट, मजदूरी में ठहराव और उच्च विकास के चरणों के साथ बेरोजगारी की बढ़ती समस्या, यहां तक कि नियोजित श्रमिक वर्ग का गहन शोषण और असमानता में भारी वृद्धि। इन स्थितियों पर आधारित पूंजीवादी विकास की गति मांग की समस्याओं के कारण भाप खो रही थी। वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए केंद्रीय बजट 1 फरवरी को संसद के समक्ष पेश किया जाना है, ऐसे समय में जब भारतीय और विश्व अर्थव्यवस्था दोनों ही गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं। मोदी सरकार के बड़े–बड़े दावों के बावजूद उसने जिस ढंग से सुधार की कोशिश की उसके कारण भारत की अर्थव्यवस्था अभी तक कोविड महामारी के चरमराने वाले प्रभावों और उस विनाशकारी दुष्प्रभाव से उबर नहीं पाई है। पिछले केन्द्रीय बजट के पेश किये जाने के तुरन्त बाद से ही यूक्रेन में सैन्य संघर्ष के प्रकोप और पश्चिमी शक्तियों द्वारा लगाये गये प्रतिबंधों के साथ वैश्विक आर्थिक संदर्भ भी खराब हो गया है। हालांकि, भारत को न केवल एक अस्थायी विश्व मंदी के लिए तैयार रहना है, बल्कि पिछले कुछ दशकों के नवउदारवादी श्वैश्वीकरणश के रूप में लंबे समय तक चलने वाले विश्व पूंजीवादी संकट की संभावना बनी हुई है तथा वैश्वीकरण अपने स्वयं के विरोधाभासों के भार से डगमगा रही है। भारत के आर्थिक विकास ने इन विरोध ाभासों को भी प्रतिबिंबित किया है– जिसका प्रकटीकरण है कृषि संकट, मजदूरी में ठहराव और उच्च विकास के चरणों के साथ बेरोजगारी की बढ़ती समस्या, यहां तक कि नियोजित श्रमिक वर्ग का गहन शोषण और असमानता में भारी वृद्धि। इन स्थितियों पर आधारित पूंजीवादी विकास की गति मांग की समस्याओं के कारण भाप खो रही थी, जो उन्हीं स्थितियों को जन्म देती थी, जो कोविड महामारी के आने से पहले ही दिखाई दे रही थी। 2022–23 में भारत की वास्तविक प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय, पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, महामारी–पूर्व 2019–20 के स्तर की तुलना में बमुश्किल 2.4 प्रतिशत अधिक होने जा रही है– जो उस स्तर से भी कम है यदि केवल 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से भी वृद्धि जारी रहती। इसी अवधि ा में मुद्रास्फीति की दरों में भी तेज वृद्धि देखी गई है। वास्तविक उत्पाद के बजाय कीमतों में वृद्धि के कारण ही 2019–20 और 2022–23 के बीच नाममात्र जीडीपी में तीन चौथाई से अधिक की वृद्धि है। औद्योगिक क्षेत्र सबसे चरम संकट को दर्शाता है। पिछले वर्ष की तुलना में 2022–23 में विनिर्माण क्षेत्र में केवल 1.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। मोदी सरकार के वर्ग पक्षपाती रवैये ने यह भी सुनिश्चित किया है कि श्वसूलीश बेहद असमान रही है। इसका प्रमाण यह है कि 2019–20 और 2022–23 के बीच नॉमिनल जीडीपी में हुई वृद्धि की तुलना में कॉर्पोरेट और आयकर से राजस्व में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। ऐसी स्थिति में जहां कराधान की दरों में वृद्धि नहीं की गई है, ऐसा तभी हो सकता है जब कुल राष्ट्रीय आय में कॉर्पोरेट लाभ और उच्च आय का हिस्सा बढ़ता है। निहितार्थ से, आय में समग्र ठहराव को देखते हुए, भारत के कामकाजी लोग खो गये हैं। बढ़ी हुई बेरोजगारी और कम मजदूरी के कारण, उनकी कमाई 2019–20 की तुलना में आज औसतन कम है।

बिना सुझ–बूझ वाले जबरन लॉक–डाउन के अलावा, जो अंत में लाखों भारतीयों को कोविड से मरने से भी नहीं रोक पाया, मोदी सरकार ने सार्वजनिक व्यय पर अंकुश लगाने की नीति का निर्ममता से पालन करते हुए संकट में योगदान दिया है। नवंबर 2022 तक राजस्व और व्यय के रुझान से संकेत मिलता है कि 2022–23 में सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में केंद्रीय करों से राजस्व 2019–20 की तुलना में अधिक होगा। इसके अलावा, केंद्रीय करों से राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी में कमी के कारण इनमें केंद्र सरकार की हिस्सेदारी भी काफी अधिक होगी। फिर भी, यदि वर्तमान प्रवृत्ति वित्तीय वर्ष के शेष भाग के लिए जारी रहती है, तो जीडीपी के प्रतिशत के रूप में केंद्र सरकार का व्यय 2019–20 की तुलना में कम होगा।

इसके अलावा, प्रत्यक्ष करों से अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने के बावजूद, खनिज तेल करों में पिछली वृद्धि अभी तक पूरी तरह से पलटी नहीं है। इस प्रकार, मोदी सरकार की राजकोषीय नीति बढ़ती असमानता की प्रवृत्ति का प्रतिकार करने के बजाय मजबूत हुई है, और मंदी की स्थिति का सामना कर रही अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने में विफल रही है। आर्थिक वास्तविकताओं के प्रति यह अंध ाापन पहले भी दिखाई दे रहा था, लेकिन महामारी और उसके आर्थिक प्रभावों से संबंधित एक विनाशकारी मानवीय त्रासदी के सामने भी इसके साथ बने रहने का विशेष रूप से वहशी तत्व है।

इसके साथ सार्वजनिक संपत्ति के निजीकरण और राष्ट्रीय संपत्ति मुद्रीकरण कार्यक्रम, नये कृषि कानूनों को लागू करने का निष्फल प्रयास, और रक्षा और बीमा जैसे क्षेत्रों में अधिक विदेशी निवेश की अनुमति देने जैसे अन्य उपाय किये गये हैं। ये सभी एक श्आत्मनिर्भर भारतश के निर्माण के नाम पर किये गये हैं। ये सभी कुछ बड़े पूंजीपतियों द्वारा धन के संचय और केंद्रीकरण को बढ़ावा देने के साधन के अलावा कुछ नहीं हैं, जिसके प्रति मोदी सरकार की अंधी प्रतिबद्धता के भी लक्षण दिख रहे हैं, जिसके लिए इसकी की स्थिति में धकेल कर मुनाफा कमाने के बजाय, सरकार को बड़े घरेलू बाजार को विकसित करना चाहिए। इसके लिए, यह अनिवार्य है कि कराधान और सार्वजनिक व्यय का उपयोग उनके पक्ष में वितरण को झुकाने, किसानों की आय में सुधार करने, रोजगार पैदा करने वाली मांग के विस्तार को गति देने और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और शैक्षिक परिणामों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए किया जाये। संसद के आगामी सत्र में, वामपंथ ऐसे केंद्रीय बजट के लिए लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है जो ऐसी प्राथमिकताओं को दर्शाता है, और इस मिथक का विरोध करता है कि सरकार संसाधनों की कमी से विवश है।

सांप्रदायिक राजनीति एक आवरण के रूप में काम करती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में लंबे समय तक व्यवधान की संभावना के साथ, भारत का आर्थिक भविष्य वास्तविक आत्मनिर्भरता पर निर्भर करता है। एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश करने और मेहनतकश जनता को निरंतर गरीबी

हीली ने कहा, मेजबान टीम का विरोधी को स्तरीय तैयारी का मौका नहीं देना पसंद नहीं

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली ने भारत पर निशाना साधते हुए कहा कि पैट कमिंस की टीम आगामी टेस्ट दौरे से पहले उपमहाद्वीप में अभ्यास मैच इसलिए नहीं खेल रही क्योंकि वे मेजबान देश द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सुविधाओं पर विश्वास नहीं करते। ऑस्ट्रेलिया चार टेस्ट मैचों की बोर्डर–गावस्कर श्रृंखला से पहले दौरे पर एक भी अभ्यास मैच नहीं खेलेगा। टीम के एक सदस्य उस्मान ख्वाजा ने हाल ही में कहा था कि अभ्यास मैच खेलने का कोई मतलब नहीं था क्योंकि भारत में अभ्यास मैच और वास्तविक मैच के लिए तैयार विकेट काफी अलग थे। ख्वाजा ने इस महीने की शुरुआत में संवाददाता में कहा था, ''क्या आप कभी हमारे

(ऑस्ट्रेलिया) साथ दौरे से पहले गए हैं?

जब हम खेलते हैं तो वे स्पिन के अनुकूल विकेट हो सकते हैं लेकिन हम अभ्यास मैचों में उतरते हैं तो वहां (भारत में) वे हमें गाबा जैसे हरे विकेट देते हैं, तो फिर खेलने का क्या मतलब है।'' हीली ने ख्वाजा के सुझाव का समर्थन करते हुए कहा कि दौरे पर जाने से पहले स्पिनरों को सिडनी में भारत के जैसी पिचों से सामंजस्य बैठाने का मौका देना बेहतर विचार था। हीली ने सोमवार को एसईएन रेडियो पर कहा, ''हमने सिडनी में अपने स्पिनरों को रणनीतिक चर्चा(भारत जैसी पिचों पर) के लिए एकत्रित किया हमें अब भरोसा नहीं है कि देश को वे सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी जिनका आग्रह किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''वैसे हम भी इसका हिस्सा रहे हैं. जब (इंग्लैंड में) हमारी संभावनाएं खत्म हो जाती हैं तो हम अपना समय उन कमजोर काउंटी टीमों के बारे में शिकायत करने में बिताते हैं जिन्हें इंग्लैंड ने श्रृंखला से पहले हमारा विरोधी बनाया था।''

हीली ने कहा कि वह दौरे के अभ्यास मैच और वास्तविक मैचों के लिए अलग–अलग तरह के विकेट तैयार करने के चलन को पसंद नहीं करते हैं क्योंकि यह 'विश्वास' का उल्लंघन है। उन्होंने कहा, ''क्रिकेट में हमारा ध्यान अपने सर्वश्रेष्ठ और उभरते हुए क्रिकेटरों को अवसर और अनुभव हासिल कराने से हट गया है. अब हम बहुप्रतीक्षित श्रृंखला से पहले दौरे पर आने वाली टीमों की स्तरीय तैयारी मुहैया नहीं कराते और मुझे यह पसंद नहीं है।'' हीली ने कहा, ''क्रिकेट खेलने वाले देशों के बीच भरोसे को इस तरह टूटते हुए देखना निराशाजनक है और इसे रोकने की जरूरत है।'' ऑस्ट्रेलिया नौ फरवरी को नागपुर में भारत के खिलाफ अपनी टेस्ट श्रृंखला शुरू करेगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2004–05 के बाद से भारत में कोई टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है और आगामी दौरे के दौरान उसकी नजरें इस क्रम को तोड़ने पर टिकी हैं।

'खेलो इंडिया युथ गेम्स' में पदक विजेताओं की होगी चांदी, मिलेगा 5 लाख रुपये का इनाम

'खेलो इंडिया युथ गेम्स' के पांचवें सत्र का रंगारंग आगाज हो गया है। इस बार खेलो इंडिया

यूथ गेम्स में पदक विजेताओं को पांच लाख रुपये की इनामी राशि दिए जाने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी घोषणा 'खेलो इंडिया युथ गेम्स' के उद्घाटन समारोह में की है।

उन्होंने कहा कि खेल में आगे बढ़ने वाले खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के लिए ये राशि दी जाएगी। खेल में भविष्य बनाने के लिए जरूरी है कि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए अच्छा मौका दिया जाए। वहीं प्रोत्साहन मिलने से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

शानदार हुआ उद्घाटन समारोह का आयोजनः खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज बेहद शानदार रहा था। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मशाल राज्य के 52 जिलों से होते हुए भोपाल पहुंची। ये मशाल अपने आप में बेहद खास है। इस मशाल पर भीमबेटका, महाकाल, चीता और राष्ट्रीय पुष्प कमल उकेरा गया है। वहीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन समारोह के मौके पर कई रंगारंग कार्यक्रम भी हुए। इस दौरान नीति मोहन ने नर्मदा अष्टक की प्रस्तुति दी। उनके अलावा मशहूर गायक शान, अभिलिप्सा पांडा, नटराज डांस ग्रुप समेत कई कालाकारों ने पेशकश कर उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई।

इन खेलों का होगा आयोजनः खेलो इंडिया यूथ गेम्स मध्यप्रदेश के आठ शहरों के 23 मैदानों पर आयोजित किये जायेंगे और इनमें 27 खेलों में 6000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इसका आयोजन भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और खरगोन में होगा। साइकिलिंग की एक स्पर्धा दिल्ली में होगी। पहली बार कयाकिंग, केनोइंग, केनो सलालम और तलवारबाजी जैसे खेल इन खेलों का हिस्सा होंगे।

लखनऊ की पिच पर हार्दिक पांड्या ने उठाया था सवाल, अब पिच क्यूरेटर के खिलाफ हुई कार्रवाई

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 1–1 से बराबर है। काफी मुश्किलों और मशक्कत के बाद भारतीय टीम को दूसरे टी20 मुकाबले में जीत मिली थी। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दोनों ही टीमों को रन बनाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था, जिससे दोनों ही टीमें नाखुश थी। इस बात का जिक्र खुद कप्तान हार्दिक पांड्या ने भी किया था।बता दें कि लखनऊ में 29 जनवरी को खेले गए इस मुकाबले में दोनों ही टीमें सिर्फ 100–100 रन ही बना सकी। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में पिच ऐसी रही जहां पूरे मुकाबले के दौरान एक छक्का तक नहीं लग सका। यहां काफी मुश्किलों से बल्लेबाज बाउंड्री मार सके। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने भी पिच को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि ये विकेट सदमा देने वाला था। मुझे मुश्किल विकेटों से फर्क नहीं पड़ता है। मैं इसके लिए तैयार हूं मगर ये दोनों विकेट टी20 के लिए नहीं थे।

पिच क्यूरेटर के खिलाफ उठाया कदमः मुकाबले में जमकर हुई आलोचना के बाद अब इकाना स्टेडियम के क्यूरेटर के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। इकाना स्टेडियम के मैनेजमेंट ने सख्त कदम उठाते हुए पिच क्यूरेटर को हटा दिया है। भारत में काफी कम पिच ऐसी हैं जहां खिलाड़ियों को रन बनाने के

लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है। इकाना स्टेडियम की पिच भी ऐसी की कुछ विरले पिचों में से एक है। इस पिच में बल्लेबाज एक–एक रन हासिल करने के लिए भी जद्दोजहद करते नजर आए। नहीं लगा था कोई छक्का ये ऐसी पिच थी जिसपर जहां बल्लेबाज एक एक रन बनाने के लिए काफी मुश्किलों का सामना कर रहे थे। यहां काफी परेशानी करते हुए बल्लेबाज रन बनाते दिखे। इस मुकाबले में दोनों टीमों के कुल 16 बल्लेबाज बैटिंग करने उतरे और किसी बल्लेबाज ने छक्का नहीं लगाया। भारत की पिचों में ऐसे मौके काफी कम देखे गए है। इस मैच में सिर्फ 14 बाउंड्र लगी जो टी20 मुकाबले के लिए काफी कम है। आईपीएल के होने हैं मुकाबलेः जानकारी के मुताबिक अब लखनऊ के इकाना स्टेडियम में पिच को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। आगामी महीनों में होने वाले आईपीएल को देखते हुए पिच को नए सिरे से बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस स्टेडियम में लगभग सात मुकाबले खेले जाने हैं। ऐसे में ये ग्राउंड काफी अहम है।

वेस्ट हैम ने एफए कप में डर्बी को 2–0 से हराया, मैनचेस्टर यूनाईटेड से होगी भिड़ंत

डर्बी। वेस्ट हैम ने यहां तीसरे टीयर की टीम डर्बी को 2–0

से हराकर पांचवें दौर में जगह बनाई जहां उसकी भिड़ंत मैनचेस्टर यूनाईटेड से होगी। जेरोड बोवेन ने एक गोल करने के अलावा माइकल एंटोनियो के गोल में मदद भी की जिससे इंग्लिश प्रीमियर लीग टीम वेस्ट हैम ने आसान जीत दर्ज की। वेस्ट हैम इस तरह शीर्ष 16 में जगह बनाने में नाकाम रहने वाला 12वां शीर्ष क्लब बनने से बच गया। इससे पहले मैनचेस्टर यूनाईटेड और वेस्ट हैम दो साल पहले पांचवें दौर के मुकाबले में ओल्ड ट्रैफर्ड में भिड़े थे और तब मैनचेस्टर यूनाईटेड ने 1–0 से जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह बनाई थी।

आतंकवाद की पनाहगाह में कोहराम, हर रोज 4 नागरिक या जवान गंवा रहे अपनी जान

पाकिस्तान के पेशावर में एक मस्जिद के अंदर सोमवार को हुए आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 83 हो गई और 150 से अधिक लोग

घायल हो गए। हालाँकि, पाकिस्तानी मीडिया ने मरने वालों की संख्या 72 बताई। हताहतों में अधिकांश पुलिस अधिकारी थे। पेशावर के पुलिस प्रमुख मोहम्मद इजाज खान के मुताबिक, अलग–अलग दफ्तरों से करीब 300 से 400 लोग रोज मस्जिद में नमाज के लिए इकट्ठा होते हैं। विस्फोट के समय मस्जिद में 300 से अधिक नमाजी नमाज पढ़ रहे थे। पुलिस ने कहा कि बचाव दल को नमाजियों तक पहुंचने के लिए मलबे के टीलों को हटाना पड़ा, जो अभी भी मलबे में फंसे हुए थे। खैबर पख्तूनख्वा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मुहम्मद आजम खान ने घातक हमले के मद्देनजर मंगलवार को प्रांत में एक दिन के शोक की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रांत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

अपने दावे से मुकरा टीटीपी

पाकिस्तान तालिबान के एक कमांडर जिसे तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के नाम से भी जाना जाता है उसने पहले तो सरबकाफ मोहमंद ने सोमवार को ट्विटर पर एक पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली। हालांकि, घंटों बाद टीटीपी के प्रवक्ता मोहम्मद खुरासानी ने कहा कि उनकी नीति में ष्मस्जिदों, मदरसों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना शामिल नहीं है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने हमले की निंदा की। "पाकिस्तान की एक मस्जिद में सोमवार के आत्मघाती बम विस्फोट के पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदना।

आतंक का पनाहगाह पाकिस्तान

पिछले कुछ सालों के इतिहास पर नजर डालें तो तमाम आतंकी संगठनों की पनाहगाह पाकिस्तान की भूमि बरसों से बनती आई है। अमेरिका में हमले को अंजाम देने वाले अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में ही पनाह मिली। बस इतना ही नहीं, जैश ए मोहम्मद का चीफ मसूद अजहर, मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड हाफिज सईद और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम भी पाकिस्तान में ही छिपा बैठा है। आतंकियों का पालन–पोषण करने वाला पाकिस्तान खुद भी इसका शिकार बन रहा है। पाकिस्तान में पिछले 22 साल में 16000 हमलेः साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल के अनुसार पाकिस्तान में पिछले 22 साल में 15997 आतंकी हमले हुए हैं। इन हमलों में 28, 918 लोगों की मौत हुई है। अकेले 2022 की बात करें तो 365 हमले हुए। इनमें 229 नागरिकों की मौत हुई। जबकि 379 जवानों की जान गई। पाकिस्तान में 22 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो हर दिन करीब 4 नागरिक या जवान अपनी जान आतंकी हमलों में गंवा रहे हैं। इससे पहले 2021 में पाकिस्तान में 267 आतंकी घटनाएं हुईं. इनमें 214 नागरिकों और 226 सुरक्षाबलों के जवानों की जान गई।

यूएई और चीन ने बिना शर्त के लोन देने से किया इंकार, बैंक से लेकर एयरलाइन तक बेचगा पाकिस्तान

आर्थिक संकट के चलते पाकिस्तान डिफॉल्ट की कगार पर पहुंच गया है। पाकिस्तान के मित्र देश सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और चीन ने अब साफ कर दिया है कि वह शाहबाज सरकार को बेलआउट नहीं देने जा रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले दिनों यूएई का दौरा किया था, लेकिन यह व्यर्थ रहा। इतना ही नहीं यूएई के राष्ट्रपति पाकिस्तान जाने वाले थे लेकिन उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया। अब थक हारकर शाहबाज सरकार पाकिस्तान की 5 बड़ी सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी संयुक्त अरब अमीरात को बेचने जा रही है। पाकिस्तान कर्ज के लिए आईएमएफ से भी बातचीत कर रहा है। शाहबाज सरकार ने यूएई को पाकिस्तान

की सरकारी तेल और गैस कंपनी, पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड, नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन, पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कॉरपोरेशन में हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव दिया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, सरकार ने कथित तौर पर इन पाकिस्तानी कंपनियों में हिस्सेदारी संयुक्त अरब अमीरात की दो कंपनियों को बेचने का प्रस्ताव रखा है। इससे पहले सऊदी अरब और यूएई ने साफ कहा था कि वे अब पाकिस्तान को अरबों डॉलर की मदद मुफ्त में नहीं देंगे।

शाहबाज सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेच रहे हैं

इसके बाद अब पाकिस्तान सरकार अपनी सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी यूएई को बेचने जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रस्ताव शाहबाज शरीफ की यूएई यात्रा के दौरान दिया गया था। पाकिस्तान ने यूएई से मांग की थी कि पाकिस्तानी सामान को यूएई के बाजार में ज्यादा पहुंच दी जाए। शाहबाज शरीफ ने यूएई की दो बड़ी कंपनियों के प्रमुखों से मुलाकात की थी और उन्हें सोलर पावर, एयरपोर्ट मैनेजमेंट आदि में निवेश का प्रस्ताव दिया था। यूएई की इन दिग्गज कंपनियों के पास 300 अरब डॉलर का निवेश पोर्टफोलियो है।

यूएई के राष्ट्रपति ने रद्द किया दौरा

यूएई की इन कंपनियों ने पाकिस्तान के फायदे के लिए चल रही कंपनियों में निवेश की इच्छा जताई है। पाकिस्तान आने पर शाहबाज शरीफ यूएई के राष्ट्रपति से और कर्ज के बारे में बात करना चाहते थे, लेकिन शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने आखिरी समय में श्खराब मौसमश का हवाला देते हुए अपनी यात्रा रद्द कर दी। इस वजह से शाहबाज सरकार को काफी बेइज्जती का सामना करना पड़ा है. यूएई पहले ही पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर के नए ऋण की घोषणा कर चुका है। साथ ही 2 अरब डॉलर का पुराना कर्ज भी वापस नहीं मांगा है।

पाकिस्तान आईएमएफ की शरण में गयाः पाकिस्तान अपनी राजधानी इस्लामाबाद एयरपोर्ट का मैनेजमेंट यूएई की एक कंपनी को सौंपना चाहता है। पाकिस्तान भी चाहता है कि यूएई के साथ उसका व्यापार 10.6 अरब डॉलर तक पहुंच जाए। पाकिस्तान को कहीं कर्ज नहीं मिलने के बाद अब उसे फिर से आईएमएफ के पास जाना पड़ रहा है, जिसने पाकिस्तानी सरकार से कई सौ अरब डॉलर के नए टैक्स लगाने को कहा है। यही वजह है कि पेट्रोल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि की गई है।

यूक्रेन को बड़ा झटका, F–16 फाइटर देने से बाइडेन का इनकार

रूस से जंग के बीच यूक्रेन को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका ने एफ–16 फाइटर प्लेन देने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने साफ कर दिया है कि कीव को एफ–16 की सप्लाई नहीं होगी। इसे यूक्रेन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन को एफ–16 लड़ाकू जेट नहीं भेजेगा। व्हाइट हाउस के बाहर एक रिपोर्टर द्वारा पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका उन युद्धक विमानों को स्थानांतरित करेगा जिन्हें प्राप्त करने के लिए कीव कड़ी मेहनत कर रहा है, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जवाब दिया– नहीं। बता दें कि यूक्रेन लंबे समय से एफ–16 फाइटर प्लेन की मांग कर रहा था। लेकिन अमेरिका की ओर से सफाई आ गई है कि वो फिलहाल तो इसे यूक्रेन को देने के बारे में नहीं सोच रहा है। बाइडन ने लगातार कहा है कि विमान नहीं मिल सकते, भले ही उन्होंने अन्य क्षेत्रों में सहायता दी है। एक अमेरिकी अधिकारी से जब बाइडेन की टिप्पणी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि एफ–16 के बारे में कोई गंभीर, उच्च स्तरीय चर्चा नहीं हुई है। दूसरे शब्दों में, ऐसा नहीं लगता कि बाइडेन की घोषणा एक आंतरिक नीति समीक्षा का परिणाम है और इसके बजाय अंतिम निर्णय वर्तमान रुख है।

पाकिस्तान मस्जिद हमलें मे मृतक संख्या बढ़कर 90 हुई

पेशावर। पाकिस्तान में एक मस्जिद में सोमवार को नमाज के दौरान हुए आत्मघाती हमले में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 90 हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, हमलावर दोपहर की नमाज के समय अग्रिम पंक्ति में था जब उसने विस्फोट कर खुद को उड़ा लिया। विस्फोट में मस्जिद के इमाम मौलाना साहिबजादा नूरुल अमीन की भी मौत हो गई। 'रेडियो पाकिस्तान' ने मंगलवार को एक खबर में कहा, ''पेशावर विस्फोट में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है और अब भी मलबा हटाने का काम जारी है।'' पेशावर पुलिस नियंत्रण कक्ष के अनुसार, 200 से अधिक घायलों को लेडी रीडिंग अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से करीब 100 का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि अन्य को छुट्टी दे दी गई है। खबर के अनुसार, बचाव दलों के मंगलवार भोर से पहले मस्जिद के मलबे से और शव निकालने के बाद मृतक संख्या बढ़ गई। इससे पहले लेडी रीडिंग अस्पताल के प्रवक्ता मोहम्मद आसिम ने बताया था कि विस्फोट के बाद 157 घायलों को अस्पताल लाया गया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी हमले पर दुख जताया। पिछले साल शहर के कोचा रिसलदार इलाके में एक शिया मस्जिद में ऐसे ही हमले में 63 लोगों की जान चली गयी थी। टीटीपी पाकिस्तान सरकार के साथ संघर्षविराम से पीछे हट गया है और उसने अपने आतंकवादियों को देशभर में आतंकवादी हमला करने का हुक्म जारी किया है। उस पर 2009 में सेना मुख्यालय, सैन्य अड्डों पर हमले, 2008 में मैरिएट होटल में बम विस्फोट समेत कई घातक हमलों में शामिल होने का आरोप है। इसे अल कायदा का करीबी बताया जाता है।

अमर शहीदों को किया गया नमन

कुशीनगर। आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी शहीदों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की याद में सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में उप जिलाधिकारी मुहम्मद जफर की अध्यक्षता में समस्त प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रख कर अमर शहीदों नमन किया। इस दौरान सभी ने अमर शहीदों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए उनके बताये हुए मार्ग पर चलने का संकल्प को दोहराया। गौरतलब है कि शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी रमेश रंजन ने सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों, स्कूल, कॉलेजों को 30 जनवरी शहीद दिवस को सुबह 11 बजे स्वतंत्रता संग्राम मे अपने प्राणों की आहुति करने वाले अमर शहीदों की याद मे दो मिनट का मौन व्रत रखकर श्रद्घा–सुमन अर्पित करने का निर्देश दिया था। इस दौरान जिलापूर्ति अधिकारी दिलीप कुमार, कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी राजेश श्रीवास्तव, ब्रजेश श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, राकेश कुमार, संतोष कुमार, सहित अन्य कलेक्ट्रेट के अधिकारी ध्कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा

कुशीनगर। जनपद के तमकुहीराज ओवरब्रिज पर सोमवार को अल सुबह एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो भाइयों को रौंद दिया। हादसे में दोनों भाइयों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कुचायकोट थाने के अमवा विजयपुर गांव के निवासी बदरू दोजा के 25 वर्षीय पुत्र नदीम सरवर व 12 वर्षीय पुत्र नौशाद आलम के रूप में हुई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची तमकुहीराज थाने की पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दिया है। जानकारी के अनुसार पडोसी राज्य बिहार के कुचायकोट थाना अंतर्गत अमवा विजयपुर गांव के निवासी बदरू दोजा के 25 वर्षीय पुत्र नदीम सरवर व 12 वर्षीय पुत्र नौशाद आलम एक बाइक पर सवार होकर सोमवार की अहले सुबह कुशीनगर जिले के फाजिलनगर जा रहे थे। तमकुही राज ओवरब्रिज पर अधिक कुहासा होने के कारण एक अज्ञात वाहन चालक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे मौके पर ही बाइक सवार दोनो भाइयों की मौत हो गयी। घटना की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी। दोनों भाइयों की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों की चीख–चीत्कार से पूरा क्षेत्र गमगीन हो गया। मृतक नदीम सरवर की पत्नी रौशन तारा बेसुध हो जा रही थी। एक साथ दो बेटों की हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे में शिकार हुए नदीम रोजी–रोटी की जुगाड़ में विदेश जाने की तैयारी में था। नदीम जेसीबी का ड्राइवर था। जबकि दूसरा भाई नौशाद अहमद बनिया छापर मीडिल स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ता था. पांच भाइयों में नदीम सबसे बड़ा था। उससे छोटा नौशाद अहमद था। अन्य भाई गुलाम सरवर, कलीम सरवर व वसीम सरवर अभी छोटे है। घर का परवरिश नदीम ही कर रहा था। उसकी शादी कुछ ही माह पहले ही हुई थी।

पुरानी रंजिश में अधिवक्ता पर बदमाशों ने चलाई गोली, गंभीर

कुशीनगर। पुरानी रंजिश को लेकर कार सवार बदमाशों ने स्कूटी सवार युवती जो पेशे से हाईकोर्ट में अधिवक्ता है। पीछा करके ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगे। संयोग रहा कि गोली युवती के बाइक पर ही लगी। जिससे वह गिरकर गंभीर रुप घायल हो गई। घायलावस्था में किसी तरह पडरौना कोतवाली पहुंची जहां सिपाहियों ने जिला अस्पताल भर्ती कराया। वहां युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। सोमवार को पडरौना के तिलक नगर निवासिनी एडवोकेट संगीता गुप्ता पुत्री स्व0 दयाशंकर गुप्ता ने सेवरही थाने में दिए तहरीर में कहा है कि रविवार को अपने स्कूटी से अकेले तमकुहीरोड से पडरौना आ रही थी कि गेट के पुराने विवाद को लेकर बगल के रहने वाले आपराधिक गैंग बनाकर आतंक के बल पर मेरी करोड़ो रूपये की पुस्तैनी मकान को हड़पने व प्रार्थिनी के उपर हत्या करने की नियत से सायंकाल लगभग 6रू30 बजे कार पर सवार विजय, दीपांकर, विनय व हेमंत पुत्र अभयानंद ने सामूहिक रूप से मेरा पीछा कर बनरहां रेगुलेटर के समीप बनरहां दुदही–पडरौना मार्ग पर थाना क्षेत्र सेवरही जनपद कुशीनगर में पीछा करके मेरे ऊपर अचानक गोलियों चलाने लगे। जिससे प्रार्थिनी बाल–बाल बच गयी। कई गोलियां स्कूटी पर भी लगीं जिससे अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। घायलवस्था में भागकर किसी तरह थाना कोतवाली पडरौना पहुंची और कोतवाल पडरौना को घटना की जानकारी दी। पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल कुशीनगर, पडरौना में दवा ईलाज चल रहा है जहां जीवन और मौत से जूझ रही है। पीड़ित ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार करने की मांग किया है। उधर गोली चलने से युवती व उसका परिवार डरा व सहमा हुआ है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष सेवरही ने बताया कि तहरीर के आधार कर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। पीड़िता ने बताया कि इसके पूर्व में भी कई बार इन लोगों के द्वारा मारपीट किया जा चुका है, लेकिन पुलिस इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नही कर रही है जो पुलिस के कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहा है।

नही रहे समाजवादी नेता रामलखन गोड़

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला,गोरखपुर। गोला क्षेत्र के पाण्डेयपार उर्फ डड़वा निवासी समाज वादी नेता रामलखन गोड़ उम्र 55 वर्ष का लम्बी बीमारी के चलते निधन हो गया। रामलखन गोड़ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जगेलू प्रसाद गोड़ के पौत्र थे ।रामलखन गोड़ मोहसिन खान ने प्रभावित हो कर समाजवादी पार्टी ज्वाइन की और आजिवन समाजवाद का अलख जगाते रहे। ये पुर्व में समाजवादी पार्टी के जिला सचिव रहे रामलखन के मुख में कैंसर हो गया था। जिसका इलाज बंलूरु में चल रहा था। इलाज के दौरान ही कल देर शाम अस्पताल में ही उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली। रामलखन गोड़ अपने पिछे एक भरा पुरा परिवार छोड़ गयें।

शहीद दिवस पर नयी दिशा ने किया दीपदान का आयोजन

गांधी जी का जीवन संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणादाई : दया शंकर तिवारी

कुशीनगर। शहीद दिवस के अवसर पर सोमवार को नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा शहीद स्मारक पार्क, कसया स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं शहीद स्मारक स्तंभ पर अनवरत 17वें वर्ष दीपदान कार्यक्रम का आयोजन कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित सभी शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उपस्थित सभी ने बापू की प्रतिमा व शहीद स्मारक पर दीपदान कर पुष्पांजलि भेंट किया और जय हिंद, भारत माता की जय, वंदे मातरम, राष्ट्र सपूत अमर रहें के जय घोष से संपूर्ण परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम का समापन 2 मिनट के मौन श्रद्धांजलि एवं राष्ट्रगान से हुआ। नगर के गांधी चौक स्थित गांधी प्रतिमा, गोला बाजार स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा और रामकोला रोड स्थित शहीद अमिय त्रिपाठी की प्रतिमा के समक्ष भी दीपदान हुआ। कार्यक्रम बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर दया शंकर तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। डॉक्टर तिवारी ने कहा कि गांधी ने जो सत्य, अहिंसा एवं त्याग का सूत्र दिया। उसे अपने सम्पूर्ण जीवन में उतारा। उन्होंने मात्र स्वत्रंता प्राप्ति का ही संकल्प नही लिया था बल्कि समाज के सबसे निचले वर्ग के उत्थान के साथ साथ समाज से अनेक दुर्गुणों को समाप्त करने का संकल्प भी लिया। उन्होंने चम्पारण दौरे के समय एक फटे कपड़े वाली महिला को देखकर द्रवित होते हुए सम्पूर्ण जीवन मात्र आधी धोती पहनना पसन्द किया। गांधी का जीवन केवल भारत के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए प्रेरणादायी है।

नाथूराम गोडसे द्वारा की गयी उनकी हत्या सम्पूर्ण मानवता की हत्या थी। उनकी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि उनके द्वारा दिए गए संदेश को अपने जीवन में उतारना है। कार्यक्रम का संचालन संस्था उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र, उपस्थित जनों का स्वागत प्रकाम्य चतुर्वेदी व आभार अभिषेक श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सुरेश गुप्ता, डाक्टर अनिल सोनी, राम बचन मद्देशिया, राजन कुमार, सत्येंद्र राव, रमेश प्रसाद, आशुतोष चतुर्वेदी, देवानंद मिश्र, उमेश गुप्ता, प्रज्ञान चतुर्वेदी, अशोक दुबे, नागेंद्र तिवारी, ममता कश्यप, सचिव डॉक्टर हरिओम मिश्र इत्यादि उपस्थित रहे।

घर से 5 दिनों से लापता युवती का शव पोखरे में तैरता मिला, क्षेत्र में दहशत

मृतका के पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगा मौत के कारणों का पता

कुशीनगर। जनपद के हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गाव निवासी 5 दिन से घर से लापता एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पोखरे में तैरता मिला। पोखरे में शव तैरता देख घटना स्थल पर काफी संख्या भीड़ जुट गई। सभासद रणजीत सिंह ने हाटा पुलिस को पोखरी में शव मिलने की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजध और घ्छआगे की कार्यवाही में जुट गई है। जानकारी के अनुसार हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र के ढाढा स्थित विरला सुगर मिल से कुछ ही दूरी पर एक 23 वर्षीय युवती का शव पोखरे में तैरता मिला। जिसके बाद ग्रामीणों में पुलिस को सूचना दी। वही युवती की पहचान हाटा कोतवाली थाना क्षेत्र के हरपुर की रहने वाली जानकी के रूप में की गई। जो अपने घर से 5 दिन पहले से लापता थी। परिजनों ने काफी खोजबीन किया और रविवार को थाने में गुमसुदगी दर्ज कराई। सूचना के बाद पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतका के पिता अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि उनकी बेटी जानकी चार बहनों में सबसे छोटी थी। तीन बड़ी बहनों की शादी पहले ही हो चुकी है। जानकी की शादी के लिए भी तैयारियां चल रही थी। परिवार वाले वर ढूंढने में लगे हुए थे। लेकिन कही बात नही बन रही थी। परिवार की परेशानियों को देखते हुए इससे छोटे भाई की भी शादी करा दी गयी। मृतका बीए की पढ़ाई पहले ही पूरा कर चुकी हैं। इन दिनों जानकी घर पर ही रहती थी। लेकिन अचानक बुधवार को सुबह 6 बजे कोहरे में वह घर से निकल कर चली गई। सोमवार को उसका शव घर से 500 मीटर दूर बिरला शुगर मिल के किनारे स्थित पोखरे में तैरता हुआ मिला। घटना की जानकारी होने पर पहुंचे हाटा विधायक मोहन वर्मा ने परिजनों को ढाढस बढ़ाया और पुलिस को जांच कर कार्यवाही की बात कही।

ग्रामीणों की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह पुलिस के साथ मौके पर पहुँचे। जहाँ शव को पोखरे से निकाल पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। मृतका की गुमशुदगी की रिपोर्ट कल शाम को लिखी गई थी। तब तक उसका शव एक पोखरे से बरामद हो गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

संयुक्तक्रांतिकारी पत्रकार मोर्चा में राजन सिंह बने राष्ट्रीय सलाहकार, उमेश को प्रदेश की बागडोर

सात जनपदों के बनाए गए जिला प्रभारी

गोरखपुर। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति ने देशभर के प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया एवं सोशल मीडिया के

संगठनों को एक जुट करने व आपात परिस्थितियों में पीड़ित पत्रकारों की मदद करने के उद्देश्य से संयुक्त क्रांतिकारी पत्रकार मोर्चा का गठन किया । इसमें राजन सिंह सूर्यवंशी को राष्ट्रीय सलाहकार उमेश चन्द्र मिश्रा को प्रदेश की बागडोर सौंपी गई। यह मनोनयन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के विचार विमर्श के पश्चात रविवार को आयकर विभाग गोरखपुर के प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार दिलावर सिंह ने किया। इसी क्रम में कृष्ण चन्द्र चौधरी को गोरखपुर का जिला प्रभारी, कुशीनगर के जिला प्रभारी पवन कुमार गुप्ता, संत कबीर नगर के जिला प्रभारी साहेब राम साहनी, बलिया के जिला प्रभारी अरविंद कुमार यादव, बहराइच के जिला प्रभारी दीपक कुमार, मथुरा के जिला प्रभारी रामेश्वर दयाल उपाध्याय एवं भरतपुर (राजस्थान) के जिला प्रभारी दशरथ सिंह को बनाया गया है। साथ ही गोरखपुर जिले से संजय कुमार मिश्रा को जिला संगठन, मंत्री गणेश उपाध्याय को जिला सूचना मंत्री, दयानन्द को जिला सचिव एवं संजय कुमार सिंह को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। अभी तक गोरखपुर जिला प्रभारी रहे डॉ सतीश चंद्र शुक्ला को गोरखपुर मंडल का अध्यक्ष बनाया गया है। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को सरदार दिलावर सिंह ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे संगठन और मजबूत बनेगा।

पीएम सम्मान निधि में छोटे किसानों को 2.25 लाख करोड़ रुपये की राशि दी गई : जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। बीजेपी के सांसद जगदम्बिका पाल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अध्यक्षीय अभिभाषण पर आभार व्यक्त किया। सांसद ने कहा है कि दोनों सदस्यों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्वारा दिया गया संबोधन भारत की उपलब्धियों और उद्देश्यों की अभिव्यक्ति है। सांसद ने कहा है कि यह बड़े गर्व की बात है कि 2014 से भारत को प्रतिदिन दो कॉलेज और इस देश में हर महीने 1 मेडिकल कॉलेज और हर हफ्ते एक विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है। यह पर्याप्त बुनियादी ढांचा, संकाय प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। यह ये भी सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि इस देश के प्रत्येक बच्चे को इस देश में उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके। सांसद जगदमिका पाल ने आगे धन्यवाद दिया है कि जब से नरेंद्र मोदी इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं, 55,000 से अधिक घरों में प्रतिदिन गैस कनेक्शन मिले हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत इन छोटे किसानों को 2. 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी गई है। इनमें से लगभग तीन करोड़ लाभार्थी महिलाएं हैं। इससे महिला किसानों को अब तक करीब 54 हजार करोड़ रुपये मिल चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह इस देश के प्रत्येक नागरिक को घर सुनिश्चित करने के लिए नरेंद्र मोदी कि सरकार ने भारत में गरीबों के लिए हर दिन 11,000 घर उपलब्ध कराए हैं। सांसद ने यह भी कहा कि वे राष्ट्रपति का हार्दिक धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने देश को बताया कि मात्र दो वर्षों में भारत ने 220 करोड़ से अधिक वैक्सीन की खुराक दी है।

राष्ट्र के सजग प्रहरी थे रज्जू भैया: आरएन त्रिपाठी

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के द्वारा प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) की जन्मजयंती की पूर्व संध्या पर प्रो राजेंद्र सिंह जीवन एवं दर्शन विषय पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो आर एन त्रिपाठी ने कहा कि प्रो राजेंद्र सिंह सरलता, सहजता व आत्मीयता के प्रतिमूर्ति थे। इसी कारण लोग प्रो राजेंद्र सिंह को की प्यार से रज्जू भैया कहते थे। उन्होंने रज्जू भैया के जीवन के ऊपर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने रज्जू भैया के राजनीतिक प्रभाव के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि नानाजी देशमुख रज्जू भैया से प्रभावित होकर चित्रकूट में ग्रामोदय का कार्य प्रारंभ किया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ कुलदीप पांडेय ने बताया कि रज्जू भैया बचपन से ही बहुत मेधावी रहे और वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की तथा वहीं पर भौतिकी विभाग में प्राध्यापक नियुक्त हुए। समाजिक व राष्ट्र कार्य में रुचि के कारण विद्यार्थी जीवन में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक हुए। डॉक्टर पांडे ने बताया की समाज के लिए रज्जू भैया ने अपने पूरा जीवन समर्पित कर दिया तथा मितव्ययता से अपने जीवन को व्यतीत किया। संचालन विवेक श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो मानस पांडेय, प्रो विक्रम देव, डॉ मनोज मिश्र, डॉ प्रमोद यादव, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ गिरधर मिश्रा, डॉ पुनीत धवन डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ. अजीत सिंह और अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

'मलिन बस्ती के बच्चों के साथ युवा नेता ने मनाया जन्मदिन'

बांसगांव। नगर पंचायत बांसगांव के वार्ड नंबर 12 निवासी और भाजयुमो के बांसगांव मण्डल अध्यक्ष परमवीर सिंह ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपना 24 वां जन्मदिन मलिन बस्ती के बच्चो के साथ मनाया स बच्चों के बीच जाकर उन्होंने कॉपी, पेन और कुछ अन्य समानों का उपहार भेंट किया, जिससे बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर इस युवा नेता ने बताया कि समाज के हर सामर्थ्यवान लोगो को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगो का ध्यान रखना चाहिए और अपने खुशी के पलों को उनके साथ बिताकर उनको ये अहसास दिलाना चाहिए कि वो भी हमारे समाज के अभिन्न अंग हैं स परमवीर का जन्मदिन पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेन्द्र सिंह ने अपने कार्यालय पर भी भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ केक काटकर मनाया सउन्होंने अपने जन्मदिन पर बांसगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीजों के बीच जाकर उन्हें फल भी बांटा और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की भगवान से प्रार्थना की स पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेन्द्र सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह, कमिश्नर कोर्ट के एक्जूकेटीव मेंबर वैभव त्रिपाठी एडवोकेट, अविनेश सिंह,प्रभात सिंह, दीपक सिंह राजा, शिवम चन्द, महान राय आदि लोगो के परमवीर के लंबी उम्र की कामना करते हुए उनको जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

मौर्य सम्मान वाहिनी द्वारा निकला गया स्वामी प्रसाद मौर्य का सांकेतिक शव यात्रा

स्वामी प्रसाद मौर्या हिन्दू समाज के घर पैदा हुआ कलंक हैं: चंद्रिका प्रसाद मौर्य

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। मंगलवार को दोपहर में ब्लॉक से मन्दिर चौराहा तक स्वामी प्रसाद मौर्या का शव यात्रा निकला गया। मौर्य सम्मान वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में यह शव यात्रा निकाली गई और मन्दिर चौराहे पर शव रूपी पुतला को जलाकर दहन किया गया और स्वामी प्रसाद मौर्या के विरोध में नारे लगाए गए। मौर्य सम्मान वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद मौर्य ने बताया कि समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्या द्वारा राम चरित मानस पर अभद्र टिप्पणी की गई है जो दुर्भाग्यपूर्ण हैं। स्वामी प्रसाद मौर्या हिन्दू समाज के घर पैदा हुआ कलंक हैं। मौर्या समाज भगवान राम जिनको मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है उनकी आराधना करता है। सपा के मुखिया अखिलेश यादव के संरक्षण में भगवान राम की चौपाई पर गलत टिप्पणी करके स्वामी प्रसाद मौर्या ने सनातन धर्म पर प्रहार किया है और जिसमें संपूर्ण हिंदू समाज के साथ मौर्य समाज भी आहत हुआ है। जिसके कारण मौर्य सम्मान वाहिनी स्वामी प्रसाद मौर्या की घोर निंदा करते हुए संकल्प लेता है कि गौतम बुद्ध की धरती सिद्धार्थनगर जनपद में इन्हें घुसने नहीं दिया जाएगा, साथ ही डुमरियागंज में इनकी शव यात्रा निकालकर समाज से बहिष्कृत किया जा रहा है। इसके लिए पूरे प्रदेश में हमारे संगठन के लोग विरोध करेंगे, क्योंकि इसके पूर्व में भी स्वामी प्रसाद मौर्या ने मां गौरी और भगवान श्री गणेश के ऊपर अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं, जो क्षमा योग्य नहीं है। इस दौरान ओम प्रकाश मौर्य, राम उजागिर मौर्य, रामप्रकाश मौर्य, शम्भू मौर्य, तिरागी मौर्य, चिक्कन मौर्य, साहू मौर्य, जोखू मौर्य, सुखराम मौर्य, चौतू मौर्य, बब्लू मौर्य, चिंकू मौर्य, सीताराम मौर्य, जगई मौर्य, जनकराम मौर्य, शिवकुमार मौर्य आदि सहित भारी संख्या में मौर्या समाज के लोग उपस्थित रहें।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा चाकू से युवक पर हमला करने वाला 02 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अनुराग त्रिपाठी पुत्र हरिश्चन्द्र त्रिपाठी निवासी 01 डी, 144 ओबरा कालोनी, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र द्वारा थाना ओबरा पर लिखित तहरीर दी गयी कि दिनांक–30.01.2023 को तनवर कुरैशी पुत्र राजू कुरैशी अलम्तस अली पुत्र हमीद समस्त निवासीगण थाना ओबरा, द्वारा गाली–गलौज देते हुए मेरे पीट में चाकू घोप दिया गया। उक्त घटना के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0–15ध् 2023 धारा 307, 504, 506 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया। उक्त घटना में सलिप्त अभियुक्तगणों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा क्षेत्राधिकारी ओबरा के निकट पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पर टीम गठित करते हुए विशेष निर्देश दिये गये। इसी क्रम में थाना ओबरा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर डिग्री कालेज चौराहा के पास से घटना में संलिप्त 02 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर लिया गया।

01 नफर अभियुक्त की लगभग 11 लाख रुपये की चल सम्पत्ति की गयी कुर्क

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के कुशल निर्देशन

में जनपद में गैंगेस्टर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा थाना दुद्धी पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या–156ध्2022 धारा 3 (1) उत्तर प्रदेश गैंगेस्टर एक्ट (विवेचना प्रभारी निरीक्षक विण्ढमगंज द्वारा की जा रही थी) से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त रामलोचन उर्फ कमाण्डर पुत्र सोना बच्चा, निवासी ग्राम हरिपुरा, थाना विण्ढमगंज सोनभद्र हाल पता– अमवार थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र के विरुद्ध 14 (1) की कार्रवाई करते हुए अभियुक्त उपरोक्त द्वारा अर्जित अवैध धन से क्रय की गयी दो अदद टैक्टर मय ट्राली (वाहन संख्या 1. यू0पी0–64ए0सी0 1238 चेचिस नं0–**MBNAAAVGAGR H00023** व 2. **UP64AJ9462** चेचिस नं0–**MBNGAAEA PJRH00213**) जिनका कुल अनुमानित कीमत 11 लाख रुपये की चल संपत्ति को जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन मे नियमानुसार कुर्क किया गया।

खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैः त्रिभुवन सिंह

कमलापुर (सीतापुर)। जीवन में सफलता हेतु शरीर और मन का स्वस्थ होना आवश्यक है। यह बात पार्वती विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल कसमंडा में छात्र–छात्राओं को खेल सामग्री भेंट करते समय प्रबंधक त्रिभुवन सिंह ने कही। उन्होंने कहा खेलों में भाग लेने से अनुशासन प्रतिस्पर्धा परिश्रम की भावना उत्पन्न होती है। जो आपको अपने जीवन के लक्ष्य को हासिल करने में सार्थक सिद्ध होती है। कार्यक्रम का संचालन खेल शिक्षक गिरिराज यादव ने किया। शिक्षक एवं सह जिला सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सत्य प्रकाश सिंह ने कहा खेलों से बुद्धि विकसित होती है। शरीर सुंदर सुगठित होता है सहपाठियों में प्रेम का संचार होता है। शिक्षा से मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है तो खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। जब हमारा शरीर अस्वस्थ होगा ऐसी स्थिति में मन का स्वस्थ रहना असंभव है। इस दृश्य से शिक्षा के साथ–साथ खेलों का विशेष महत्व है। इसके अभाव में विद्यार्थी निष्क्रिय आलसी एवं निराश हो जाता है। वास्तव में स्वास्थ्य सच्ची संपत्ति है और स्वस्थ शरीर को विकसित करने में खेल की जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर प्रबन्धक त्रिभुवन सिंह, प्रधानाध्यापक अमरेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ शिक्षक विनय पाल सिंह, शिक्षक एवं सह जिला सेवा प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सत्य प्रकाश सिंह, शिक्षक रवि प्रकाश सिंह, खेल शिक्षक गिरिराज यादव, नंदराम सहित गणमान्य लोग एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति की उन्मुखीकरण प्रशिक्षण व बैठक का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। घोरावल ब्लाक के सभागार में ब्लॉक प्रमुख व खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीयबाल सरंक्षणसमिति, महिला शक्ति केंद्र, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह की टास्क फोर्स की बैठक आहुत की गई। जिसमें खण्ड विकास अधिकारी रमेश कुमार यादव द्वारा बताया गया की बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति और नवजात परित्यक्त शिशु बालक बालिका की सूचना देने के लिए सभी टोल फ्री नम्बर और अपने विभागीय नंबर को डिस्प्ले कराने के लिए कहा गया ताकि आम जनमानस को पता हो की बच्चो के संबंधित सूचना देने के लिए किसे और कहा सूचित करना है। महिला शक्ति केंद्र से महिला कल्याण अधिकारी नीतू यति सिंह द्वारा महिला कल्याण विभाग की समस्त कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया साथ ही आधार प्रमाणीकरण को शत प्रतिशत कराने के लिए सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बेटियो की शिक्षा पर जोर देने के लिए लोगो को प्रेरित किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई से रोमी पाठक द्वारा बाल यौन शोषण, बाल सेवा योजना, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति आदि के बारे में जानकारी दिया गया साथ ही ग्राम बाल संरक्षण समिति की बैठक कराने पर जोर दिया गया। बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई से सामाजिक कार्यकर्ती आकांक्षा उपाध्याय, बाल विकास परियोजना अधिकारी हरी मोहन, दीपक कुमार सिंह प्रमुख क्षेत्र पंचायत, डा० नरेंद्र कुमारसरोज (डव्ब्), सहायक विकास अधिकारी संजय राजभर, पंचायत सहायक, ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

कार के दुर्घटना ग्रस्त होने से कार मे सवार युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। सोमवार की देर रात धानी रोड पर कोतवाली

क्षेत्र के गोहर गांव के निकट अर्टीग कार के दुर्घटना ग्रस्त होने से कार मे सवार एक युवक की मौत हो गयी है तथा दो गंभीर रुप से घायल हो गये है जिनका इलाज गोरखपुर चल रहा है। बस्ती जनपद रुधौली थाना क्षेत्र के ग्राम छपिया निवासी अजय कुमार 21 पुत्र राम प्रसाद बांसी कस्बा के शंकर नगर वार्ड निवासी गौरव मोदनवाल 25 पुत्र ध्रुवचंद्र व अकबरनगर वार्ड निवासी रोबिन 35 पुत्र लल्लू रात बारह बजे महराजगंज मे एक शादी मे शामिल होने के बाद लौट कर घर आ रहे थे। जैसे ही कोतवाली क्षेत्र के गोहर गांव के पास पहुचे वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। जिससे अजय कुमार पुत्र राम प्रसाद की मौके पर मौत हो गयी तथा रोबिनपुत्र लल्लू व गौरव मोदानवल पुत्र ध्रुव चंद्र गम्भीर रुप से घायल हो गए जिन्हे प्राथमिक उपचार के बाद पी एच सी बांसी के डाक्टर ने मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया है।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

न्याय पंचायत स्तरीय बैठक में निपुण लक्ष्य पर हुई चर्चा

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। विकासखंड के न्याय पंचायत भानपुर रानी स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय के परिसर में मंगलवार को प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापक की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें निपुण लक्ष्य पर विस्तार से चर्चा किया

■ न्याय पंचायत स्तर की बैठक में प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापक रहे उपस्थित

गया। इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए ए आर पी अरविंद कुमार ने कहा कि सभी शिक्षकों को निपुण लक्ष्य पर विस्तार से कार्य करना है जिसके लिए व्यापक स्तर पर कार्य योजना बनाई गई है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से बच्चों का आकलन किया जाना है। उन्होंने यह भी कहा कि निपुण लक्ष्य प्राप्त कर चुके कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों की सूची तैयार करना तथा जो लक्ष्य से दूर बच्चे हैं उन पर उन पर विशेष ध्यान दिया जाना है।

बैठक को संबोधित करते हुए जनार्दन शुक्ला ने कहा कि प्रत्येक अध्यापक कम से कम 10 अभिभावकों के फोन में दीक्षा एप, रीड अलांग एप तथा निपुण लक्ष ऐप को डाउनलोड करना है। बैठक में नवोदय विद्यालय के प्रवेश फार्म, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका तथा कंपोजिट मद से कराए जा रहे कार्य पर चर्चा की गई। बैठक में राकेश वर्मा, मोहमद इस्हाक, संजय मिश्रा, कौलेस्वर प्रसाद, पवन, शक्तिकांत त्रिपाठी, जमीरुल हुदा, शिव कुमार गुप्ता, सुजीत कुमार, बबलू यादव, नवीन अग्रहरि आदि लोग उपस्थित रहे।

वाहन और बाइक की टक्कर में माँ बेटे की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। कपिलवस्तु कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत गेनवरिया गांव में मार्ग दुर्घटना में एक बच्चें एवं उसकी माँ की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बजहाँ की तरफ से आ रही एसएसबी की बड़ी वाहन से मोटरसायकिल टकरा गई, जिससे मोटरसाइकिल पर सवार महिला हमसीरा उम्र करीब 20 वर्ष एवं उसकी बेटी अर्सिया उम्र करीब दो वर्ष की मौके पर मौत हो गई। जबकि मोटरसायकिल चालक मृतक महिला का पति अब्दुर्रहमान पुत्र इश्तियाक निवासी करमहवा बच गए। इस सम्बंध में थाना कपिलवस्तु कोतवाली थानाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार राय ने बताया कि शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, परिजनों के तहरीर पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अभियुक्त अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार

बिसवां नगर (सीतापुर)। कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की है। प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर मधवापुर तिराहे के पास एक अभियुक्त अरबाज पुत्र चौनू निवासी ग्राम मधवापुर को एक अवैध तमंचे व एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध धारा 25(1बी) ए एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

ये 5 चॉकलेट फेस मास्क देते हैं खूबसूरत त्वचा, ऐसे बनाएं और इस्तेमाल करें

खूबसूरत और स्वस्थ त्वचा पाने के लिए लोग न जाने कितने तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी ये असरदार नहीं होते हैं। त्वचा की देखभाल के लिए आप घर पर ही चॉकलेट फेस मास्क बना सकते हैं, जो स्वस्थ और बगैर साइड इफेक्ट्स के त्वचा की समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मददगार होते हैं। आइए आज आपको पांच चॉकलेट फेस मास्क बनाने और उनसे होने वाले फायदों के बारे में बताते हैं।

तैलीय और मुहांसे वाली त्वचा के लिए चॉकलेट मास्क

सामग्रीरू एक बड़ी चम्मच कोको पाउडर, एक चुटकी दालचीनी, एक बड़ी चम्मच शहद। फेस मास्क बनाने और लगाने का तरीकारू सबसे पहले एक बाउल में कोको पाउडर, शहद और दालचीनी को एक साथ मिला लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर करीब आधे घंटे तक लगा रहने दें और फिर धो लें। फायदारू इसमें एंटी–ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा को सुखाए बिना मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करके त्वचा को मुलायम बनाते हैं।

डार्क चॉकलेट फेस मास्क

सामग्रीरू दो बार डार्क चॉकलेट, दो तिहाई कप दूध, एक छोटी चम्मच नमक, तीन बड़ी चम्मच ब्राउन शुगर। फेस मास्क बनाने और लगाने का तरीकारू सबसे पहले चॉकलेट को पिघला लें और फिर इसमें नमक, शुगर और दूध डालकर मिलाएं। इसके ठंडा होने के बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 20 मिनट के बाद धो लें। फायदारू यह फेस मास्क त्वचा को पोषण देता है और हानिकारक फ्री रेडिकल्स से बचाता है। इसे हफ्ते में दो बार लगाएं।

चॉकलेट और मुल्तानी मिट्टी का फेस मास्क

सामग्रीरू एक चौथाई कप कोको पाउडर, दो बड़ी चम्मच मुल्तानी मिट्टी, दो बड़ी चम्मच दही, एक छोटी चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच नारियल का तेल। फेस मास्क बनाने और लगाने का तरीकारू सबसे पहले ऊपर लिखी सभी सामग्रियों को एक साथ मिला लें और फिर इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे 15–20 मिनट के बाद नॉर्मल पानी से धो लें। फायदारू यह आपकी त्वचा को निखारने में मदद करता है।

सुस्त त्वचा के लिए चॉकलेट और बादाम के दूध का फेस मास्क

सामग्रीरू चार बड़ी चम्मच कोको पाउडर, चार बड़ी चम्मच कॉफी पाउडर, आठ बड़ी चम्मच बादाम का दूध, दो बड़ी चम्मच नारियल का दूध। फेस मास्क बनाने और लगाने का तरीकारू सबसे पहले ऊपर लिखी सभी सामाग्रियों को एक साथ मिला लें और फिर इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। करीब आधे घंटे के बाद इसे नॉर्मल पानी से धो लें। फायदारू यह फेस मास्क त्वचा को हाइड्रेटेड और मॉइस्चराइज्ड रखता है।

चॉकलेट पील ऑफ मास्क

सामग्रीरू एक तिहाई कप कोको पाउडर, एक चौथाई कप शहद, दो बड़ी चम्मच ब्राउन शुगर। फेस मास्क बनाने और लगाने का तरीकारू सबसे पहले सभी सामग्रियों को एक साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे अपने पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। मास्क के सूखने के बाद इसे हल्के हाथों से निकाल लें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें। फायदारू यह मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है और त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

शिवांगी जोशी छोटे पर्दे पर कमबैक करने के लिए तैयार

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने अंदाज से लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। एक्ट्रेस ने ये रिश्ता क्या कहलाता है की नायरा बनकर सालों तक लोगों के

दिलों पर राज किया। इसके बाद वह बालिका वधू की आनंदी बनकर भी दर्शकं के दिलों पर छाई रहीं। बालिका वधू के बाद से शिवांगी जोशी काफी वक्त से टीवी पर नजर नहीं आईं। लेकिन खास बात तो यह है कि एक्ट्रेस जल्द ही छोटे पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। दरअसल, शिवांगी जोशी को लेकर यह खबर आ रही है कि वह एकता कपूर के धमाकेदार शो के जरिए टीवी पर वापसी करेंगी। शिवांगी जोशी को लेकर माना जा रहा है कि वह एकता कपूर के अपकमिंग शो ब्यूटी एंड द बीस्ट में अहम भूमिका अदा करती दिखाई देंगी। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस से जुड़े सूत्र ने दी है। शिवांगी जोशी को लेकर सूत्र ने कहा, एक्ट्रेस एक अहम रोल के साथ शो में एंट्री करेंगी। उन्हें ओपनिंग एपिसोड में देखा जाएगा और उनका किरदार स्टोरी को आगे बढ़ाने में मददगार होगा। वह राजपरी का डबल रोल अदा करेंगी। ओपनिंग एपिसोड की प्लानिंग भी बड़े स्तर पर हो रही है और सात दिनों के अंदर–अंदर शूटिंग की जाएगी। पहला एपिसोड एक घंटे के लिए टेलीकास्ट होगा, जिससे कहानी की नींव रखी जा सके।

बर्लिन में नए अवतार में नजर आएंगे इश्वाक सिंह और अपारशक्ति खुराना

अभिनेता इश्वाक सिंह और अपारशक्ति खुराना जल्द ही बर्लिन में पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आने वाले हैं। फिल्म का शानदार पोस्टर भी सामने आ गया है। इश्वाक एक ऐसे लुक और किरदार को निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है।

इश्वाक कहते हैं, जब एक अधिकारी वास्तविक जीवन में अपनी वर्दी पहनता है, तो वह सशक्त महसूस करता है या एक व्यवसायी बैठक से पहले अपना सूट पहनता है, यह उन्हें अपना काम करने के लिए एक निश्चित मन की स्थिति में लाता है।मेरे लिए, किसी भी किरदार का लुक इस मायने में बहुत महत्वपूर्ण है। मैं चरित्र की शारीरिकता और मानस पर बहुत ध्यान केंद्रित करता हूं, लेकिन जो एक्स फैक्टर भी जोड़ता है वह है सही लुक और बर्लिन में हमारे पास यह बिंदु है। यह उन चीजों में से एक है जिसे लेकर मैं फिल्म में सुपर एक्साइटेड हूं।फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी हैं। आमतौर पर कॉमिक भूमिका निभाते नजर आने वाले अपारशक्ति भी एक अलग रूप में नजर आएंगे। जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित बर्लिन के निर्देशक अतुल सभरवाल फिल्म के आकार से काफी खुश हैं। बर्लिन एक सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ की कहानी बताती है, जो खुफिया एजेंसियों, छल और भ्रष्टाचार के बीच प्रतिद्वंद्विता में पड़ जाता है।

रणदीप हुड्डा लाल रंग 2 में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार

रणदीप हुड्डा सैयद अहमद अफजल की लाल रंग 2 में शंकर की अपनी भूमिका को फिर से दोहराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो 2016 में आई फिल्म लाल रंग का सीच्ल है। लाल रंग हरियाणा में सेट की गई कहानी थी, जो कि एक डार्क कॉमेडी ड्रामा थी। इसमें रक्त व्यापार के इर्द–गिर्द पूरी कहानी घूम रही थी और शंकर (रणदीप) को एक अवैध ब्लड बैंक के मालिक के रूप में दिखाया गया था।

रणदीप, जिन्हें हाईवे, जन्नत 2, जिस्म 2, किक, सुल्तान आदि के लिए जाना जाता है, ने अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्होंने कहा, शंकर मलिक यह एक ऐसा किरदार है जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा, सात साल बाद भी फिल्म प्रासंगिक बनी हुई है और इसके लिए एक समर्पित प्रशंसक है। इसने मुझे एक निर्माता के रूप में इस नई यात्रा को बहुत खुशी और इसके प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ शुरू करने के लिए मजबूर किया है।अक्षय ओबेरॉय और पिया बाजपेयी भी पहले भाग से अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाएंगे। दूसरे भाग में नए जोड़े की तलाश जारी है। लाल रंग 2: खून चुसवा रणदीप हुड्डा फिल्म्स, अवाक फिल्म्स और जेली बीन एंटरटेनमेंट कंपनी द्वारा निर्मित है, जिसे अनवर अली और सोनू कुंतल द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है।

नकली पलकों को साफ करने के लिए अपनाएं ये टिप्स, दोबारा कर सकेंगे इस्तेमाल

खूबसूरत आंखें पाना हर महिला की ख्वाहिश होती है और अगर पलकें घनी और गहरी हों तो खूबसूरती पर चार चांद लग जाते हैं। यही कारण है कि कुछ महिलाएं घनी पलकों की चाह में नकली पलकों का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि, महिलाएं इन्हें एक बार ही इस्तेमाल करके फेंक देती हैं क्योंकि उन्हें इनको साफ करने का सही तरीका नहीं पता होता है। आइए आज हम आपको नकली पलकों को साफ करने के पांच टिप्स बताते हैं।

बर्तन धोने वाले लिक्विड का इस्तेमाल करें: सबसे पहले पानी गरम करें और फिर उसमें एक चम्मच बर्तन धोने वाला लिक्विड डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब इस घोल में पलकों को रखें और करीब 15 मिनट के बाद एक चिमटी से पलकों पर बचे हुए गोंद को हल्के से बाहर निकाल लें। इसके बाद इन्हें गरम पानी से धो लें और फिर सुखाने के लिए पेपर टॉवल पर रखकर थपथपाएं। पलकों के अच्छे से सूखने के बाद उन्हें वापस से बॉक्स में रख दें।

अल्कोहल इथेनॉल का करें इस्तेमाल: सबसे पहले एक कांच के कंटेनर में थोड़ा सा रबिंग अल्कोहल डालें और फिर उसमें पलकों को पूरी तरह से डुबो दें। लगभग एक मिनट के बाद पलकें बाहर निकालें और फिर इनमें से गंदगी और गोंद को हटाने के लिए कॉटन बॉल्स का इस्तेमाल करें। साफ करने के बाद इन्हें पेपर टॉवल पर रखकर सुखाएं ताकि अल्कोहल के अवशेष हट जाए। यदि पलकें थोड़ी टेढ़ी–मेढ़ी दिखती हैं तो उन्हें सही करने के लिए मसकारे ब्रश का इस्तेमाल करें।

आई मेकअप रिमूवर भी आएगा काम

सबसे पहले एक बॉउल में थोड़ा सा आई मेकअप रिमूवर डालें और फिर इसमें अपनी नकली पलकों को करीब दो से तीन मिनट तक रखें। इसके बाद पलकों को बाहर निकालकर पेपर टॉवल पर रख दें। पलकों से निकली हुई गंदगी को साफ करने के लिए कॉटन स्वैब का इस्तेमाल करें। जब पलकें साफ हो जाएं और अच्छे से सूख जाएं तो उन्हें वापस से बॉक्स में रख दें।

नारियल का तेल भी है उपयोगी

इसके लिए सबसे पहले अपनी इस्तेमाल की हुईं पलकों को एक पेपर टॉवल पर रखें। अब पलकों में जमे हुए मसकारा और गोंद के अवशेषों को नरम करने के लिए कॉटन स्वैब को नारियल के तेल में डुबाकर नकली पलकों पर लगाएं। इसके बाद चिमटी की मदद से पलकों की स्ट्रिप से गोंद के बचे हुए निशान को भी अच्छे से साफ करें। इसके बाद उन्हें वापस से बॉक्स के अंदर रखें।

बेबी शैंपू का भी करें इस्तेमाल

सबसे पहले एक चौथाई कप गरम पानी में एक चम्मच बेबी शैंपू को अच्छे से घोल लें। अब अपनी नकली पलकों को इस घोल में करीब दो मिनट तक भीगने दें। इसके बाद पलकों से अतिरिक्त पानी हटाने के लिए इन्हें पेपर टॉवल पर रखें। यदि इस दौरान पलकों पर गोंद के निशान दिखें तो चिमटी की मदद से आराम से हटा दें। अंत में पलकों को वापस से बॉक्स में रखें।